खण्ड-07 सत्र-05 / अंक-52

शनिवार 17 फरवरी, 2024 / 28 माघ, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 शनिवार, 17 फरवरी, 2024/28 माघ, 1945 (शक) अंक-52

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विश्वास प्रस्ताव एवं उस पर चर्चा	3-89

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5	शनिवार, 17 फरवरी, 2024/28 माघ, 1945 (शक)	अंक-52

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अजय दत्त
5. श्री अब्दुल रहमान
6. सुश्री भावना गौड
7. श्री बी. एस. जून
8. श्री दिनेश मोहनिया
9. श्री दुर्गेश कुमार
10. श्री गुलाब सिंह
11. श्री हाजी युनूस
12. श्री जय भगवान
13. श्री करतार सिंह तंवर
14. श्री कुलदीप कुमार
15. श्री महेंद्र गोयल
16. श्री मुकेश अहलावत
17. श्री नरेश बाल्यान
18. श्री नरेश यादव
19. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
20. श्री प्रलाद सिंह साहनी

21. श्री प्रवीण कुमार
22. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
23. श्री राजेश गुप्ता
24. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
25. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
26. श्री रोहित कुमार
27. श्री शरद कुमार चौहान
28. श्री संजीव झा
29. श्री सोमदत्त
30. श्री शिवचरण गोयल
31. श्री सोमनाथ भारती
32. श्री सही राम
33. श्री एस. के. बग्गा
34. श्री विनय मिश्रा
35. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
36. श्री बंदना कुमारी
37. श्री महेन्द्र यादव
38. श्री मदन लाल
39. श्री पवन शर्मा
40. श्री प्रकाश जारवाल
41. श्री राजेश ऋषि
42. श्री सुरेंद्र कुमार
43. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 शनिवार, 17 फरवरी, 2024/28 माघ, 1945 (शक) अंक-52

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.10 बजे समवेत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए ।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण आज माननीय सदस्य श्री सोमदत्त जी का जन्मदिन है मैं इस अवसर पर उनको अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं तथा कामना करता हूं कि अपने व्यक्तिगत तथा राजनैतिक जीवन में नई ऊचाईयाँ प्राप्त करें।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

माननीय अध्यक्षः अब श्री अरविंद केजरीवाल जी माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 16 फरवरी, 2024 को प्रस्तुत विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। चर्चा में भाग लेने के लिए सबसे पहले मदन लाल जी।

श्री मदन लालः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस विषय पर बोलने का मौका दिया। हमेशा से ऐसा देखने में आ रहा है कि जब से अरविंद केजरीवाल जी की सरकार लोगों ने चुनी है, काँग्रेस

खत्म हो गई है और दिल्ली में बीजेपी लगातार कोशिश कर रही है कि हम आम आदमी पार्टी को कैसे खत्म करें। बार–बार, चाहे वो विधायक तोड़ने की बात हो, चाहे वो सरकार के विभागों को अपने पास लेने की कोशिश हो। उनका केवल एक मकसद है कि इस सरकार को कैसे फेल करें, इस सरकार को कैसे पंगू करें, इस सरकार को कैसे नाकामयाब करें। लगातार विकास के कामों में लिप्त माननीय केजरीवाल जी की सरकार ने जिस तरीके से सत्ता में आते ही सबसे पहला वार करप्शन पर किया, तो लोगों को एक उम्मीद जगी कि एक ऐसी सरकार आई है जो अब आगे करप्शन से उनका पीछा छुटा देगी और ये हुआ भी। हमने 2013 के इलैक्शन्स के बाद जब लोगों ने आम आदमी पार्टी को चुना, भले ही उस समय हम 28 थे और काँग्रेस की मदद से एक सरकार बनी, पर जिस तरीके से उस 49 दिनों के शासन में माननीय केजरीवाल जी ने न केवल करप्शन को खत्म किया बल्कि साथ के साथ लोगों को राहत देते हुए बिजली और पानी उनके लिए मुफ्त कर दिया। सरकार एक वेलफेयर स्टेट होनी चाहिए, ये पहली बार किसी सरकार ने बनने के बाद साबित किया कि कोई सरकार वेलफेयर सरकार हो सकती है और यही कारण था कि लोगों को बहुत बड़ा रिलीफ बिजली के खर्चे कम होने से, पानी की सप्लाई में, जो पानी आ रहा था उसके खर्चे कम होने से और सबसे ज्यादा करप्शन से जो दिल्ली के लोग जूझ रहे थे, उनसे उन्हें बहुत ज्यादा फायदा मिला। सरकार 2015 में दुबारा बनी, दुबारा चूंकि माननीय केजरीवाल जी ने डिलीवरी बहुत दी थी, लोगों को विश्वास हो गया था कि केवल ये एक सरकार

है जो उनको इसलिए चुननी है कि उनसे उनको फायदा है। काँग्रेस के जमाने में करप्शन बहुत ज्यादा हुई थी। लोगों ने देखा की कॉमनवेल्थ के गेम्स के चलते, बनते-बनते पुल गिर गए, खिलाड़ियों के लिए बनने वाली जो जगह थी वो ना तैयार थी और तैयार भी थी तो सारे में सीलन थी, साँप आ रहे थे। लोगों ने सड़क और गली और मौहल्ले सब जगह देखा, सब जगह करप्शन थी। तो लोगों को लग रहा था कि केवल और केवल अब माननीय केजरीवाल जी की सरकार है जो उनको फायदा पहुंचा सकती है और उनके सपनों को साकार कर सकती है। केजरीवाल जी की सरकार ने आते ही सबसे पहला काम किया अपने पुराने करप्शन के एजेंड़े को पुरजोर से लोगों के बीच में विश्वास पैदा करते हुए लागू किया और लगातार उसपर प्रहार करते हुए, मुझे अच्छी तरह याद है दिल्ली पुलिस के एक हैड कॉस्टेबल को 50 हजार रुपए की घूस लेते हुए पहली बार पकड़ा गया था। एंटीकरप्शन ने पकड़ा। उससे बीजेपी में खलबली मच गई। हम सबको वो अच्छी तरह याद है कि बीजेपी इसके बाद खलबलाहट में ये भूल गई कि ये सरकारी तंत्र था जिसकी वजह से उस आदमी को रिश्वत लेते पकड़ा गया था। दिल्ली पुलिस के विभाग ने हैबीअस कोर्पस लगाई कि हमारा आदमी कहां है खोजो, हमारे आदमी को किसी ने अगवा कर लिया है और जब हाईकोर्ट को पता चला कि वो 50 हजार रुपए की रिश्वत के केस में जेल भेजा गया है, तो उन लोगों प्रताड़ित किया। लोगों को विश्वास जमा। और एक उसके बाद उसी समय मुझे अच्छी तरह याद है कि एक हमारा वीर सिपाही शराब माफिया के साथ लड़ते हुए आयानगर के

जंगलों में शहीद हुआ। ये पहली मर्तबा थी के किसी सरकार ने, जो पहले की काँग्रेस सरकार या बीजेपी की सरकार साइकिल, सिलाई की मशीन ऐसी चीजें विधवा को देती थीं, माननीय केजरीवाल जी की सरकार ने एक करोड़ रुपए का अनुदान उस परिवार को दिया और हमेशा के लिए कहा कि जो भी देश के लिए न्यौछावर होगा उसे एक करोड़ रुपए का अनुदान दिया जाएगा। उसके बाद लगातार जब-जब कोई वीरगति को प्राप्त हुआ, सरकारी सेवा में रहते हुए चाहे वो करोना में हुआ हो, एक-एक करोड़ रुपए का अनुदान देने वाली ये पहली सरकार है और आज के दिन की भी अंतिम सरकार है। सर अगर हम आज देखें तो शिक्षा के क्षेत्र में जिस तरीके से तरक्की सरकार ने की है, वो पूरी दुनिया के लिए एग्जाम्पल है। मुझे अपने यहां पता है नौ सरकारी स्कूल हैं, नौ के नौ नये बने हैं और सरकार को रोकने की कोशिश करने के चक्कर में, सर मेरे यहां एक ग्लोबल स्कूल बन रहा था, 60 करोड़ रुपए की लागत से माननीय मनीष सिसोदिया जी ने उसके लिए सारा प्रयत्न किया था, केजरीवाल जी का आशीर्वाद था। सर उनके जेल जाते ही उस स्कूल को स्क्रैप कर दिया गया, वो स्कूल का प्रपोजल खत्म कर दिया गया, ये आहिस्ते-आहिस्ते करके सब चीजों को खत्म करना चाहते हैं। ये चाहते हैं कि ये सरकार ना चले, क्योंकि अगर सरकार चलती है तो लोगों को भरोसा होता है कि इससे ज्यादा बढ़िया सरकार इस पूरे देश में नहीं है। शिक्षा का बजट आज हमारे यहां 21 प्रसैंट है। अगर हम देश का बजट देखें तो शायद 2 प्रसैंट भी नहीं है। कहां दो प्रसैंट 2.9 प्रसैंट है सैंटर का शिक्षा का बजट, कहां 21 प्रसैंट। हैल्थ के सेक्टर में हम 14 प्रसैंट खर्च कर रहे हैं, आज मोहल्ला

क्लीनिक के द्वारा लोगों को अपने घर में दवाईयाँ मिल रही हैं, अच्छी दवाईयाँ मिल रही है, मुफ्त में दवाईयाँ मिल रही हैं। महिलाओं के लिए महिला डैजिगनेटिट मोहल्ला क्लीनिक खोले जा रहे हैं, पोली–क्लीनिक खुले हैं। लोगों को घर–घर आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी हो रही है। सर अगर एक काम हो और इस सरकार ने तो इतने काम नए कर दिए कि कभी किसी ने सोचा भी नहीं था। आज तक 70–75 साल के शासन में किसी भी सरकार ने चाहे वो काँग्रेस की हो, चाहे बीजेपी की सरकार हो, किसी के मन में ये विचार ही नहीं आया कि लोगों के हित के लिए काम करने है, वो तो लगातार कोशिश करते रहे अपने हित के लिए काम करो, लोग मजबूरी में वोट देंगे, चाहे वो काँग्रेस को दें या बीजेपी को दें। ये पहली मर्तबा हो रहा है कि लोग अब मन बना चुके हैं कि उन्हें देश का प्रधानमंत्री भी केवल केजरीवाल चाहिए क्योंकि केवल वही हैं जो दिल्ली की तर्ज पर पूरे के पूरे हिन्दुस्तान को बदल सकते हैं, पूरे हिन्दुस्तान के स्कूलों को, शिक्षा को, चिकित्सा को, पूरे देश के लोगों को। और सर आप एक और चीज देखें, जो पहले कहते थे फ्रीबिज, फ्रीबिज, मुफ्त का मुफ्त का, मुफ्त का। हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि मैं पिछले 10 साल से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन दे रहा हूं, बहुत अच्छी बात है। पर सर 10 साल से लगातार 80 करोड़ को दे रहे हैं, इसका मतलब उनके जीवन काल में इस 10 साल में एक भी आदमी का जीवन स्तर नहीं सुधरा है। वो 80 करोड़ के 80 करोड़ लोग अभी भी बिलोपॉवर्टी लाइन है। जबकि माननीय केजरीवाल जी के जमाने में क्या हुआ है। जो परकैपिटा इन्कम पूरे देश की है उसका 2.6 गुणा ज्यादा अकेले दिल्ली की परकैपिटा

इन्कम है, जो हिन्दुस्तान में इस समय सबसे ज्यादा है। 4 लाख 44 हजार रुपए हर व्यक्ति की औसत परकैपिटा इन्कम केवल दिल्ली की है जो नम्बर वन पर है। सर ये क्यों हो रहा है, क्योंकि एक ईमानदार सरकार, ईमानदार लोगों के लिए दिल्ली के लोगों के लिए लगातार भरसक कोशिश कर रही है, उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए ये लगातार प्रयत्नशील है और क्यों ना हो। सरकार को वैलफेयर स्टेट होना भी चाहिए। यहां महिलाओं को मुफ्त में बस का यात्रा देकर, उन्होंने महिलाओं के लिए एक नये आयाम खोले, उन्हें एक मौका दिया है कि वो जहां चाहे अपना काम धंधा करने के लिए मुफ्त में सरकार की सेवा का लाभ उठाएं, इससे जहां एक बार उनको फायदा हुआ है, वहीं दूसरी तरफ उनके खर्चे कम हुए है। बिजली का खर्च कम हुआ, पानी का खर्च कम हुआ, बस का किराया खत्म हुआ और जो सेवाओं में पहले इधर-उधर जो असैंसल सर्विसीसज हैं, अब जो डोरस्टैप डिलीवरी दी जा रही है। सर उससे पहले लोगों को सरकारी दफ्तरों के धक्के खाने पड़ रहे थे। अब 1076 पे आपको, सारा कुछ आपको घर बैठे मिलता है और केवल 50 रुपए में। माननीय केजरीवाल जी की सरकार को इसीलिए सैंटर की सरकार चाहती है कि ये सरकार किसी तरह ना रहे क्योंकि दिल्ली के नजदीक में हरियाणा में, वहां एक भी ऐसी सुविधा नहीं है जो दिल्ली में इतनी सारी हो रही है। यहां अगर 20 सरकारी सेवाएं ज्वलंत जिनका उदाहरण दे सकते हैं हम और ये, हरियाणा में एक नहीं है, राजस्थान में एक नहीं है। सर हमारे आस-पड़ोस में यूपी में एक नहीं है। इसीलिए मुझे फख्र है कि मैं इस सरकार का हिस्सा हूं और तीन बार से। सर एक बार तो मुझे भी कोशिश की थी,

मुझे भी लालच दिया था। लालच भी खूब बड़ा था। बीस करोड़ रुपए की ऑफर थी मुझे सर। मुझे अच्छी तरह याद है कि उसके बाद मैंने प्रैस कॉफ्रेंस की थी संजय सिंह जी के साथ और मैंने बताया था कि मुझे किस तरह लालच देने की कोशिश की गई है। तब हम 28 थे, उन्होंने कोशिश की थी हम दो तीन को तोड़ लें। और सर आज कितने हैं, आज तो अगर 30 लोगों को ये तोड़ पाएंगे तो कहीं कहीं हमारा कुछ बिगड़ेगा। सर यहां तो 30 की बात थी आज, वहां तो केवल तीन जाने थे, वो तीन ना गए। आज तो हम बहुत ज्यादा मजबूत है, हमारी सरकार से ज्यादा अच्छी सरकार इस पूरे देश में नहीं है। आज दुनिया में हमारा नाम है। हम हर जगह जहां कहीं भी जाते हैं, हमें फख्र होता है कि हम कहते हैं हम आदमी पार्टी का, लोग हमसे कहते हैं कि आम पार्टी के हो, बहुत अच्छा काम कर रहे हो। सर हम जहां कहीं किसी राज्य में चले जाते हैं, दिल्ली के लोग तो हमें छोड़ेंगे ही नहीं। दिल्ली के लोग तो चाहते हैं हम हमेशा रहे और केवल दिल्ली में ना रहें बल्कि सैंटर में रहें। परन्तु बाहर के लोग, जब कभी हम शादी-ब्याह में हरियाणा जाते हैं या यूपी जाते हैं, लोग खुश होकर हमसे बात करते हैं और फिर कहते हैं आपसे ज्यादा बढ़िया कोई काम नहीं कर रहा हम तो चाहते हैं आप सैंटर में भी आओ। सर वो दिन दूर नहीं है जब सैंटर में माननीय केजरीवाल जी की सरकार होगी। क्योंकि ये लोगों की इच्छा है, आज लोग महसूस करते हैं और वो चाहते हैं कि पूरे देश में वो सुविधाएं मिले जो आज दिल्ली में मिल रही है। लोग कई बार तो ईर्ष्या करते हैं, कई बार उनको लगता है अगर हमारा घर भी दिल्ली में होता तो हमें भी लाभ मिल रहा होता। सर मैं इस प्रस्ताव से पूरी तरह

सहमत हूं, इसका हिस्सा हूं और मैं उन सभी लोगों को आगाह करना चाहता हूं जो इस सरकार को डिरेल करना चाहते हैं, खत्म करना चाहते हैं या तंग कर रहे है। क्या आपके तंग करने से, आपकी खरीद–फरोख्त की कोशिश से ये सरकार गिरने वाली नहीं है, हम सब पूर्णरूप से माननीय केजरीवाल में विश्वास रखते हैं, रखते रहेंगे और रखते रहे हैं, मैं आपका धन्यवाद करता हूं और इस सरकार का धन्यवाद करता हूं के माननीय केजरीवाल जी ने हमें मौका दिया है अपने साथ लोगों की सेवा करने का, मैं अपने आपको धन्य समझता हूं, थैंक्यू सर।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद श्री सुरेंद्र कुमार जी।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी आपने विशेष मुद्दे पर बोलने का आपने मुझे आदेश किया, मैं आज दिल्ली सरकार के जो विधायक को खरीदने की बात करती है भारतीय जनता पार्टी। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि दिल्ली में, दिल्ली का जो विकास मॉडल है इस देश में नहीं दुनिया के देशों में दिल्ली के विकास की चर्चा की जाती है और हम नहीं पूरे देश के लोग कहते हैं कि दिल्ली के जो सी. एम. हैं वो विश्वविख्यात मुख्यमंत्री हैं। तो निश्चित तौर से दिल्ली में एक ऐसे मुख्यमंत्री मिले हैं जो दिल्ली के विकास के प्रति एकजन को, जो लास्ट का, इस देश का जो पायदान पर खड़ा व्यक्ति के लिए जो सहयोग देने की बात रखी। आज दिल्ली के विकास मॉडल की चर्चा हमारे दिल्ली की जनता करती है जिसमें बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री, तमाम चीजों पर चर्चा की जाती है। आज

दिल्ली सरकार प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को कम से कम 15 हजार रुपए महीने का निश्चित तौर से परिवार को सहयोग देने का काम कर रही है। जैसे एक परिवार में दो पैंशनधारी हैं तो ढ़ाई-ढ़ाई हजार, 5 हजार रुपए हो जाते हैं। उसके साथ हम चलते हैं तीन हजार बिजली का बिल माफ होता है, दो हजार पानी का बिल माफ किया जाता है। उसके साथ में यदि उस परिवार में एक महिला यदि सर्विस करती है और वो आईटीओ पर जाती है या सैंट्रल सेक्रेटरिएट जाती है, उसके आने-जाने का जो खर्च है करीब 6 हजार रुपए है। तो एक बार मैं चुनाव में अभी पीछे जा रहा था जब ही आपके ये एमसीडी का चुनाव था, तो हम चुनाव में थे तो हमने एक वोट मांग रहे थे, तो एक भाजपा की मंडल अध्यक्ष वहां से घर से निकली, वो कहने लगी भईया इस बारी तो मुझे केजरीवाल जी को वोट देना है। मैंने कहा आपके तो घर के सामने, ये तो फर्जी लगा हुआ है मैं दिल से कह रही हूं अपने बच्चों की कसम खाकर कह रही हूं, इस बार मैंने एमसीडी में अरविंद केजरीवाल जी को मैंने वोट देना है। तो निश्चित तौर से हमने पूछा क्यों? कि भईया मुझे 6 हजार की बचत मिली, मेरे सास को, मेरे ससुर को ढ़ाई-ढ़ाई हजार ये मिलते हैं और मैं अपने बच्चों की और अपने परिवार के बुजुर्गों की दवाई जब मोहल्ला क्लीनिक जाती हूं तो पांच-पांच सौ, सात सौ रुपए की दवाई मैं पहले खरीदती थी, अब वो मुझे फ्री मिलने का काम होने का काम किया, मोहल्ला क्लीनिक से। ये तमाम, बिजली का उन्होंने बताया अपना बिल, तो उन्होंने कहा कि मुझे 18 हजार से लेकर 20 हजार की बचत मेरे परिवार को दिल्ली सरकार के

द्वारा दी जा रही है। उसके साथ में राशन फ्री मिलने का भी बताने का काम किया। तो मैं आपसे कहना चाहता हूं कि निश्चित तौर से आज हमारी दिल्ली सरकार प्रत्येक दिल्ली के नागरिकों के परिवार को 15 से लेकर 20 हजार का जो बेनिफिट दे रही है, ये दिल्ली की नहीं पूरे देश की ये एक ऐसी सरकार है जो निश्चित तौर से इस बात को साबित करती है कि इस देश में भारत संविधान को मानने वाली सरकार पहली बनी है, बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर के संविधान को मानने वाली सरकार मिली है जिसमें हमें मौलिक अधिकार मिला है। रोजी-रोटी, कपड़ा, मकान, बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, स्वास्थ्य फ्री ये चीजें हमें इस संविधान के तहत मिली है। इस संविधान के मौलिक अधिकार देने वाला पहला मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी हमें मिले हैं, इसलिए इस देश की जनता उनको आशीर्वाद देना चाहती है। अभी हमारे यहां से करीब हर हफ्ते हमारे यहां से तीर्थ यात्रा की बस जाती है। जब उधर से आती है तो घर पर धन्यवाद देने आती है, वो मिठाई का डिब्बा देने आती है, भईया इस बार मुझे अरविंद केजरीवाल जी को, आम आदमी पार्टी को वोट देनी है। हम उनको कहते हैं एक व्यक्ति यदि रामेश्वर जा रहा है और द्वारकाधीश जा रहा है, कम से कम एक लाख रुपए खर्चा होता है। फाइव स्टार जैसी उसको सुविधा दी जाती है। जैसे ही तीर्थयात्री बस में बैठता है, यहां से जाता है उसके बाद में फिर वो ट्रेन में बैठता है, ट्रेन से उसे गाड़ी लेने आती है, फाइवस्टार जैसा होटल मिलता है, फाइवस्टार जैसे उनको वीआईपी उनको खाना मिलता है, तो निश्चित तौर से मैं उनको कहता हूं कसम खा लेना, नहीं कसम तो हम क्या खाएं हम तो ऐसी जगह से होकर आए हैं, जहां हमें अरविंद

केजरीवाल जी ने, दिल्ली के लाल ने हमें तीर्थयात्रा दिन दिखाने का काम ना मेरा बेटा दिखा सकता था, ना मेरा पति दिखा सकता, मैं तो ऐसे मुख्यमंत्री को धन्यवाद देती हूं कि निश्चित तौर से वो सदैव देश के प्रधानमंत्री बनें। तो आपसे मेरा कहने का तात्पर्य है आज हमारी सरकार, जो हमारे फरिश्ता योजना है, मेरा एक सगा भतीजा एक्सीडेंट में एक्सपायर हुआ, उसपर 90 लाख रुपए दिल्ली सरकार ने देने का काम किया। तो मैं ऐसी सरकार का धन्यवाद देता हूं, आदरणीय केजरीवाल जी का धन्यवाद देता हूं जो कि इस मानवता हित कल्याण के लिए और यहां के जो मौलिक अधिकार की बात की है, तो निश्चित तौर से आज भारतीय जनता पार्टी ऐसे जो कार्य को देखकर, ऐसे विकास मॉडल को देखकर आज वो घबरा गई है और निश्चित तौर से आने वाला समय आम आदमी पार्टी का होगा और इस देश के प्रधानमंत्री आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी बनने जाएंगे। ये इस देश के प्रत्येक नागरिक की चाहत है, प्रत्येक मतदाता की चाहत है, प्रत्येक व्यक्ति की चाहत है कि इस देश का प्रधानमंत्री भी अरविंद केजरीवाल जी बनें। क्योंकि दिल्ली के विकास मॉडल को प्रत्येक प्रदेश के लोग चाहते हैं कि हमारे यहां भी दिल्ली सरकार की जैसे हमें सुविधा मिले बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री तो इन शब्दों के कहते हुए, आज निश्चित तौर से हमारे विधायकों को तोड़ना चाहती है, तो एक-एक विधायक को यदि 50-50, 100-100 करोड़ भी देंगे तो भी एक विधायक टूटने वाला नहीं है क्योंकि हम एक ईमानदार सरकार के, ईमानदार पार्टी के हम सहयोगी हैं, उनके सदस्य, आम आदमी पार्टी के हम विधायक है। तो एक भी विधायक टूटेगा नहीं, यदि मुझे दो सौ करोड़, हजार करोड़ भी देंगे तो

भी हम टूटने वाले नहीं। क्योंकि हम अरविंद केजरीवाल जी को सहयोग देने वाले हैं, उनका साथ निभाने वाले हैं, इन्हीं शब्दों के साथ सभी को मेरा नमस्कार, सभी को जय भीम।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, और आज इस सदन के अंदर बड़े महत्वपूर्ण विषय पर जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने विश्वास प्रस्ताव रखा है उस पर चर्चा हो रही है। अध्यक्ष जी, आज फिर इस देश के लोग इस देश देखेगा कि कैसे दिल्ली की विधानसभा ने दिल्ली के विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी के तमाम षड़्यंत्रों के बाद, तमाम साजिशों के बाद उनकी सारी साजिशों को इस सदन ने किल कर दिया। अध्यक्ष महोदय मैं अपनी बात शुरूआत करता हूं कि जिस मुद्दे पर आज चर्चा हो रही है जिस लिये आज ये सदन में विश्वास मत लाया गया है वो बात क्या है, वो कहानी क्या है? आपको पता है कि पूरे देश के अंदर, भारतीय जनता पार्टी पूरे देश के अंदर तमाम सरकारों को तोड़ रही है, वहां के विधायकों को, मंत्रियों को लालच दे रही है, उनको डरा रही है, उनको धमका रही है और उसी कड़ी में जब वो गोवा से डराकर विधायकों को ज्वाइन कराने पहुंचे उसके बाद कर्नाटक पहुंचे उसके बाद उत्तराखंड पहुंचे और तमाम जगह से ज्वाइनिंग कराकर उन्होंने सोचा कि दिल्ली के अंदर भी आ जाते हैं, दिल्ली के अंदर भी विधायकों को तोड़ लेते हैं। तो उसी कड़ी में उन्होंने सम्पर्क करना शुरू किया और सम्पर्क करते-करते, जब वो

सम्पर्क करते हैं अध्यक्ष जी तो सम्पर्क करने का तरीका बड़ा अच्छा है उनका, वो सम्पर्क हमेशा ऐसे लोगों से करते हैं कि जिसको पता है कि ये इस विधायक का जानने वाला है, ये इस विधायक का रिश्तेदार है। तो पहले उसको फोन करवाते हैं, मुझे खुद व्यक्तिगत तौर पर सदन में खुलासा कर रहा हूं अध्यक्ष जी कि मुझे खुद व्यक्तिगत तौर पर पहले एक रिश्तेदार से फोन आता है। कहते हैं जी कुछ लोग आपसे मिलना चाहते हैं, चर्चा करना चाहते हैं। मैंने कहा जी आप तो रोज़ चर्चा करते हो, कहते हैं जी नहीं-नहीं आपसे चर्चा करनी है, एक दिन बैठना है कुछ हमारे अच्छे मित्र हैं उनसे मिलवाना है, वो कहते हैं जी ठीक है। हम कहते हैं जी आ जाओ मिल लेते हैं। फिर कहीं आ जाते हैं, बातचीत होती है, कहते हैं जी ये हमारे फैलाने ये बीजेपी से इस पद पर हैं इन्होंने बहुत सारी जगह ऐसे-ऐसे काम किये हैं और ये बड़े जानने वाले हैं अमित शाह जी के, इनकी बड़ी चलती है बीजेपी के अंदर और इनका तो इतना नाम है कि आपने सुना होगा कि फलानां सिंह मंत्री बना है, किसने बनवाया है, इसने बनवाया है। मैंने कहा अच्छी बात है जी इसने बनवाया है तो, इन्होंने इसे मंत्री बनवाया है तो मैंने कहा जी मेरे पास किसलिये आये हो ये बताओ। कहते हैं जी आप बड़ा अच्छा बोल लेते हो, आप टीवी पर डिबेट करते हो, बहुत शानदार बोल लेते हो, हम चाहते हैं कि आप भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाओ, कहते हैं जी आप भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाओ। मैंने कहा अच्छा जी। कहते हैं जी अगर आप शामिल हो जाओगे तो पैसे-वैसे की टेंशन तो छोड़ दो ये तो बहुत

छोटी बात है, आप को बड़े-बड़े पदों पर देंगे, आपको मंत्री बना सकते हैं और आपके अंदर कैपेबलैटी है, आपको आगे लेकर जायेंगे। अध्यक्ष जी, इस तरह के लालच और जब फिर एक बात और कह देते हैं कहते हैं यार एक बात सुनो, ये तो ठीक है लेकिन एक बात बताता हूं ये लोग हैं बहुत खतरनाक, इनके पास सारी एजेंसी हैं। कुलदीप जी, आपको तो पता ही है कोई इनसे छूटी हुई नहीं है, ईडी इनके पास है, सीबीआई इनके पास है किसी को चाहे जेल में डाल दें, किसी को चाहे जेल में रख लें, जो चाहें वो कर लें और तुमको पता है कि पहले ही हम तो बड़ा अच्छा लोग मानते हैं उन लोगों को लेकिन आज वो जेल के अंदर तो है ही ना, चाहे सबूत मिले हों चाहे ना मिले हो जेल के अंदर तो हैं ही, मनीष सिसोदिया जेल के अंदर हैं, संजय सिंह जेल के अंदर हैं। तो आप तो बहुत छोटे लोग हो, आप भी जेल जा सकते हो। मैंने कहा जी अच्छा, तो मैंने कहा जी मैंने उनसे एक बात कही अध्यक्ष जी। मैंने उनसे कहा कि आप खरीद उसको सकते हो जो मार्केट में बिकने के लिये आये हैं, हम बिकने वाले लोग नहीं हैं, हम झुकने वाले लोग नहीं हैं, हम अरविंद केजरीवाल जी के सिपाही हैं। कोई ताकत नहीं है जो हमें झुकाकर दिखा दे, कोई ताकत नहीं है जो हमें खरीदकर दिखा दे, कोई हमें खरीद नहीं सकता, कोई हमें झुका नहीं सकता और ईडी और सीबीआई से तो दूसरे लोग डर गये होंगे। इन ईडी, सीबीआई से दूसरे लोग डर गये होंगे, ना तो हम ईडी और सीबीआई से डरते और ना हम इन रंगा-बिल्ला की जोड़ी से डरते हैं, अध्यक्ष जी ये कहने जा रहा हूं इस सदन के अंदर हम डरने वाले लोग नहीं हैं, हम झुकने वाले लोग नहीं हैं। वो कितनी कीमत लगायेंगे

हम लोगों की, हम तो झुकेंगे नहीं, हम तो बिकेंगे नहीं। वो खूब डरा लें, वो खूब मुकद्में दर्ज करा लें, इसलिये नहीं डरेंगे इसलिये नहीं दबेंगे क्योंकि आज हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी, मनीष सिसोदिया जी, संजय सिंह जी चट्टान की तरह इनके सामने खड़े हुये हैं चट्टान की तरह। जब जेल से आते हैं तारीख के ऊपर कोर्ट के ऊपर तो हंसते हुये चेहरे लेकर आते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि इस देश के बच्चों के भविष्य को बनाया उन लोगों ने और उसकी सज़ा आज वो काट रहे हैं, वो इस बात की सज़ा काट रहे हैं कि अगर वो भी भाजपा में शामिल हो जाते तो उनके सारे केस माफ हो जाते। अध्यक्ष जी, मैं एक लिस्ट लेकर आया हूं आज यहां पर इस लिस्ट को पढ़ना चाहता हूं, अरूणाचल प्रदेश के अंदर इन्होंने 2016 में प्रेमाकुण्डू को शामिल करा लिया भाजपा के अंदर उनके ऊपर काफी मामले चल रहे थे सारे केस खत्म हो गये। कर्नाटक के अंदर जेडीएस के साथ इन्होंने 2019 में बी.एस.येदुरप्पा के नेतृत्व में सबको शामिल करा लिया उनके सारे केस खत्म हो गये। मध्यप्रदेश के अंदर इन्होंने शामिल करा लिया उनके सारे केस खत्म कर दिये, एकनाथ शिंदे को शामिल करा लिया सारे केस खत्म कर दिये, गोवा में शामिल करा लिया सारे केस खत्म कर दिये और रिसेन्टली मामला तो अभी आपने देखा होगा। अशोक चव्हाण जो कांग्रेस के बड़े नेता थे उनको भाजपा में शामिल करा दिया और आदर्श घोटाले की फाइल सारी की सारी गायब हो गई। अभी आपने देखा कि किस प्रकार से छगन भुजबल की ईडी ने चार्जशीट खो दी। तो लगातार ये सोचते हैं कि ये आम आदमी पार्टी को खरीद लेंगे या आम आदमी पार्टी के विधायकों का तोड़ लेंगे और मुख्यमंत्री जी को जेल में डालकर दिल्ली

की सरकार को गिरा देंगे लेकिन मैं इस सदन में कहना चाहता हूं इनके ये मनसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे इनके मनसूबे कभी आगे नहीं बढ़ेंगे क्योंकि आम आदमी पार्टी का एक-एक विधायक, एक-एक साथी ना टूटने वाला है ना बिकने वाला है, ना झुकने वाला है, हम तो पूरी ताकत के साथ माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के साथ खड़े हुये हैं, खड़े रहेंगे और बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत आभार जय हिन्द जय भारत।

माननीय अध्यक्षः राजेश ऋषि जी।

श्री राजेश ऋषिः अध्यक्ष जी, आपने मुझे सदन में मंत्री परिषद् में विश्वास व्यक्त करने के लिये जो उसके लिये मुझे मौका दिया मैं उसके लिये मैं कुछ अपनी बातें रखना चाहता हूं। मेरा पूरा विश्वास है अरविंद जी की सरकार में, इस मंत्री परिषद् में। आज देश की स्थिति ऐसी हो गई है कि देश के प्रधानमंत्री अपने को राजा समझने लगे हैं। दूसरी पार्टियों की सरकार तोड़कर अपनी सरकार बनाना इनका ऑपरेशन लोटस बन गया है। आज देश की स्थिति ऐसी है कि देश के अंदर आज बोलने का अधिकार नहीं है। हमें बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से सरकार चुनने का अधिकार दिया जिसका हमने चंड़ीगढ के अंदर एक उदाहरण देखा है कि मोदी सरकार ने क्या काम किये। जो लोग वोट देकर सरकार को चुन रहे हैं उन लोगों के वोटों को कैसे रिजेक्ट किया जाता है और अपनी सरकार बनाने के लिये कैसे कोशिश की जाती है। मेयर छोटा सा एक मेयर चुनाव के अंदर इतनी बड़ी बेईमानी की। हम तो ये सुनकर हैरान हैं कि बार-बार मिडिया में हमारे

बहुत सारे वकील भाई सब चिल्ला रहे हैं कि ईवीएम 19 लाख बनकर आईं और ये चोरी होगईं, गईं कहां आज तक पता नहीं चला, ना इलैक्शन कमिशन जवाब दे रहा है। बाबा साहेब ने हमें इनका अधिकार दिया शिक्षा का अधिकार, ये शिक्षा के अधिकार के अन्तर्गत दिल्ली सरकार ने जो अरविंद केजरीवाल जी की सरकार है उनके शिक्षा मंत्री ने आलीशान स्कूल बनाकर दिल्ली के अंदर एक ऐसा शिक्षा का मॉडल तैयार किया जिसे आज पूरे दुनिया में सराहा जा रहा है। मेरे यहां भी बहुत सुन्दर–सुन्दर स्कूल बने हैं और बहुत ही शानदार स्कूल बनकर तैयार हुये हैं। आज मेरे को बड़ा गर्व होता है कि मेरे एक स्कूल से एक बच्ची आईएएस ऑफिसर बनकर जाती है वो आईएएस का रिजल्ट लेकर आई वो पास होकर आई और हमारे यहां पर इतने सारे स्कूल बने हैं उसके बावजूद भी नये स्कूलों का निर्माण हो रहा है। मनीष सिसोदिया जी ने जो अच्छे काम किये शिक्षा में एक अच्छा मॉडल तैयार किया लेकिन हमारे राजा जो देश के राजा हैं उनको पसंद नहीं आया और उन्होंने उनको जेल में डाल दिया। हमारे स्वास्थ्य का अधिकार, बाबा साहेब ने हमें स्वास्थ्य का अधिकार दिया है कि हमें मुफ्त स्वास्थ्य मिलना चाहिये, अरविंद केजरीवाल जी के मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन जी ने एक मॉडल तैयार किया उन्होंने देखा कि 65 साल के अंदर हमारे देश के अंदर केवल 10 हज़ार बैड थे और हमारे दिल्ली के अंदर केवल 10 हज़ार बैडों पर ही इलाज हो रहा है वो भी पूर्ण रूप से नहीं चल रहे उन्होंने टारगैट बनाया कि मैं 5 साल के अंदर उसको 20 हज़ार करूंगा उन्होंने पूरी कोशिश की नये अस्पताल बने पुराने अस्पताल

को मोडिफाई किया उसके अदंर बहुत सारे बैड जोड़े गये। मेरे जनकपुरी के अंदर एक सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल था जो बंद पड़ा था उसको चालू किया गया आज जब उसके आगे से निकलते हैं लोग तो पूछते हैं कि ये प्राइवेट है या सरकारी इतना शानदार हॉस्पिटल है सारे इलाज हो रहे हैं इसके अंदर ब्रेन, हार्ट, किडनी, लीवर का इलाज होता है, यहां डायलासिस की मशीनें लग गईं और हर इलाज मुफ्त होता है ये पहली बार हुआ है दिल्ली के अंदर कि सारी दवाईयां मिल रही हैं सारे टैस्ट हो रहे हैं और सारे के सारे जितने भी ऑपरेशन्स हैं वो सब ऑपरेशन हो रहे हैं। अरविंद केजरीवाल सरकार जब बनी 2015 में उन्होंने 21 पर्लियामेंट सेक्रेटरी बनाये उस सेक्रेटरी बनाने के बाद जो सब सेक्रेटरी थे सबने काम शुरू किया मेरे पास भी स्वास्थ्य विभाग था हम लोगों ने भी खूब भागदौड़ की। आज दिल्ली के इस हॉस्पिटल्स के अंदर करोड़ रुपये की मशीनें लगी हैं जो पहले कभी देखने को नहीं मिलती थीं मेरे जनकपुरी के हॉस्पिटल के अंदर 7 नये ऑपरेशन थियेटर बने हैं जो वर्ल्ड क्लास हैं उस दिन मंत्रीजी गये थे देखने लिये वो खुद हैरान हो गये इतने शानदार इतने बढ़िया प्राइवेट में भी नहीं हैं ये अरविंद केजरीवाल सरकार की देन है लेकिन हमारे देश के राजा को पसंद नहीं आया उन्होंने सत्येन्द्र जैन जैसे मंत्री को जेल में डाल दिया। आज जो हमें अधिकार मिला हुआ है बोलने का इस बोलने के अधिकार के ऊपर भी आज हमारे राजा को पसंद नहीं आता है। संसद में अगर कोई भी उनके खिलाफ बोलता है या उनकी कमियों को निकालता है तो ऐसे सांसद को उठाकर बंद करने की तैयारी कर लेते हैं। हमारे शेरे हिंद संजय सिंह जी जो दहाड़ते थे इस संसद के अंदर उनकी दहाड़ को बंद

करने के लिये उनको जबरदस्ती जेल में डाल दिया गया क्योंकि राजा को पसंद नहीं आया, जो राजा को पसंद आयेगा केवल वही क्या देश के अंदर होगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि नेपाल एक हमारे बगल में एक देश है इस देश के अंदर राजा का राज चलता था उस समय ये स्थिति थी कि हर घर के अंदर राजा और रानी की फोटो लगती थी, मंदिर के अंदर, हर दुकान में लगती थी हर स्थान में लगती थी और जगह-जगह राजा और महाराजा की, रानी की फोटो लगी हुई नज़र आती थी, पूजा करने से पहले आपको राजा-रानी की पूजा करनी पड़ती थी उसके बाद पूजा होती थी ये स्थिति थी वहां की, लेकिन आज दिल्ली के अंदर क्या पूरे हिन्दुस्तान के अंदर आप जहां चले जाओ बड़े-बड़े कटआउट नज़र आते हैं राजा के, वो राजा मानते हैं अपने को मुझे तो लग रहा है कि लोकतंत्र अब राजतंत्र की तरफ बढ़ना शुरू हो गया है हिन्दुस्तान का ये स्थिति हो गई। अभी आपके यहां बुक्स एग्ज़ेबिशन लगी हुई है वहां पर जाकर देखो जगह-जगह कटआउट लगे हुये हैं, राशन की दुकान पर चले जाओ वहां पर कटआउट लगे हुये हैं, तो क्या अब राजा का राज आने वाला है? स्थिति ये है कि हम लोग खुद देखकर परेशान हैं। हमने नाम सुना था हिटलर का, हिटलर के अंदर था कि मैं पूरा देश दुनिया को जीत लूं और वो लगा जीतने के लिये, जो उसके साथ जुड़ते गये वो उनको लेता चला गया जो नहीं जुड़े उनको वो खत्म करता चला गया। आज देश के अंदर भी यही हालत हो गई है कि राजा बैठे हैं हमारे यहां पर बनकर जो अपने को राजा समझ रहे हैं। जिन स्टेट में वो जीत गये उनमें तो सरकार बना ली और

जिनमें नहीं जीत पाये वहां पर ईडी पीछे लगा दी, वहां पर सीबीआई पीछे लगा दी वहां पर पैसा लेकर पहुंच गये। लोटस जो ऑपरेशन लोटस है उसका वहां पर उपयोग किया जा रहा है ताकि वहां की सरकारों को गिराकर पूरे देश के अंदर वो अपनी सरकार लाना चाहते हैं हर स्टेट के अंदर लेकिन ये होगा नहीं। दिल्ली के अंदर भी ये स्थिति आई कि दिल्ली के विधायकों को कैसे खरीदा जाये, अभी मदन लाल जी ने जैसे बताया कि 2013 की जो हमारी सरकार बनी थी उसके अंदर बार-बार देखते थे कि 14 के अंदर जब हमारी सरकार 49 दिन की सरकार जब गई उसके बाद बीजेपी ने पूरी कोशिश की, सर मेरी जनकपुरी के अंदर रोज मुझे फोन आते थे कि जी आज हमारा जो विधायक थे वहां के उनके यहां आज गाड़ियां आ गईं, आज पुलिस आ गई, कल वो शपथ लेने जा रहे हैं मुख्यमंत्री की लेकिन फिर दूसरे दिन पता चलता था कोई विधायक दिखा ही नहीं। तीन विधायकों के पीछे लगे रहे कि ये तीन आ जायेगा तो सरकार बन जायेगी सर जब तीन आदमी नहीं बिके तो आज इतनी बड़ी संख्या में बैठे हमारे सभी विधायक भाई जो आंदोलन से आये हैं, जो पूरे देशभक्ति के साथ लगे हैं और वो ये जानते हैं कि हमारा मुख्यमंत्री जो काम कर रहा है वो देश के अंदर नहीं उसकी चर्चा दुनिया में हो रही है। मैं अभी आया हूं मेरे एक मित्र अभी कनाडा से आये हुये थे घर पर ही हैं वो, वो पंजाब से जब यहां पहुंचे तो उन्होंने बताया कि भाजी असि तां देख के हैराण हो गये साढे गांवा दे अंदर जेडी ना नहरां इच पाणी आ गया पहलां कदि आंदा ही नहीं सी केजरीवाल सरकार ने वाकई बहुत अच्छा काम किता है। सर ये चीज़ लोगों को नहीं पता कि नहरों में पानी आ गया, किसानों

के लिये बिजली आ गई सबकुछ आ गया वहां पर क्योंकि दिल्ली में खेती बाड़ी बहुत कम है पंजाब तो खेतों के सारी जगह खेत ही खेत हैं तो वहां किसान बहुत खुश है उनको बिजली सस्ती मिल रही है बिजली मिल रही है पहले बिजली मिलती नहीं थी अब नहरों में पानी मिल रहा है तो ऐसा मुख्यमंत्री ऐसा नेता जो देश में बदलाव के लिये आया है उसके बलिदान को हमने देखा है। जब हम लोग अरविंद केजरीवाल जी के साथ 2009 में जुड़े थे तो सर मैंने इनकी एक हिस्ट्री पढ़ी थी कि जब ये टाटा में कलकत्ता में नौकरी करते थे तब ये जाया करते थे मदर टेरिसा के वहां और लोगों को इकट्ठा करके वहां लेकर आकर उनकी सेवा करते थे। जिस इंसान के अंदर जब पावर नहीं थी तभी उसके अंदर सेवा की भावना थी आज उसके हाथ में पावर है तो आज वो बदलाव जरूर चाहता है और बदलाव के साथ काम कर रहा है। हमारे प्रधानमंत्री जी बोलते हैं कि मैंने तो भिक्षा मांगी, मैंने भिक्षा मांगकर अपना पेट पाला। अगर इन्होंने वाकई भिक्षा मांगकर पेट पाला होता तो आज ये जितने भिखारी नज़र आ रहे हैं ये भिखारी नज़र नहीं आने चाहिये थे। ये तो गरीबों से वोट लेकर केवल उद्योगपतियों के लिये काम कर रहे हैं, आज इनका बेटा अडानी है जिसके लिये सारा काम हो रहा है, जगह-जगह देख रहे हैं कि हर चीज़ बिकती जा रही है और अडानी खरीदता जा रहा है। तो देश के अंदर आज लोकतंत्र नहीं है आज अडानी तंत्र आ चुका है, इस अडानी तंत्र को खत्म करने के लिये हमें सबको एकजुट होना पड़ेगा। अरविंद केजरीवाल जी ने जो अपने दो बार मैंने देखा है इन्होंने अपनी जान की परवाह ना करते हुये

इन्होंने दो बार भुख हड़ताल की और ऐसी स्थिति में पहुंच गये थे कि हमें डर लगता था कि कहीं इनको कुछ हो ना जाये। तो ये जो इन्सान देश के गरीबों के लिये अपनी जान देने को तैयार खड़ा हो तो ऐसे इन्सान को छोड़कर कौन जा सकता है। सर हम तो आज आपके सामने वादा करते हैं कि हम इसी पार्टी में पैदा हुये हैं और इसी पार्टी में ही मरेंगे और अरविंद केजरीवाल जी के साथ तब तक खड़े रहेंगे जब तक शरीर में जान है। ये जितनी जोर लगा लें, ये जितनी ताकत लगा लें जितना पैसा लगा लें हम हिलने-डुलने वाले नहीं हैं। हम हमेशा सुनते हैं खाली हाथ आये थे खाली हाथ जायेंगे, बिल्कुल गलत बात है। हम खाली हाथ आते जरूर हैं लेकिन जाते हैं अपने अच्छे-बुरे कर्मों को लेकर, अगर हम अरविंद केजरीवाल जी के साथ बुरा करेंगे तो हमारे को आने वाली पीढ़ियां और आने वाले टाइम में हमें बहुत कुछ देखने को मिलेगा, इसलिये अरविंद केजरीवाल जी ने जो आज अपना विश्वास पत्र दिया है हम उनके साथ हमेशा खड़े हैं हमारे सभी साथी खड़े हैं। हम तो तब से हैं अरविंद जी के साथ जब पार्टी भी नहीं थी India Against Corruption में जुड़े थे। अरविंद केजरीवाल जी ने आज हमें यहां तक पहुंचाया और हम लोग आज उनके साथ खड़े हैं और हमेशा खड़े रहेंगे, जय हिन्द जय भारत।

माननीय अध्यक्ष: श्री विनय मिश्रा जी।

श्री विनय मिश्रा: बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय स्पीकर साहब, बहुत सरल शब्दों में मैं आपबीती रखना चाहता हूं चूंकि राजनीतिक

परिवार से आता हूं और बचपन से ये उठा–पटक, शह–मात, खरीद–फरोख्त देखता हुआ आ रहा हूं। तो अभी कुछ दिन पहले मैं ये बात हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हैं मैं उनसे परमीशन लेकर कहना चाहता हूं कि पीछे एक ऐसा डिपार्टमेंट जो देश जिसकी पूरी इज्ज़त करता है और उस डिपार्टमेंट का मैं अगर नाम लूं तो मैं चाहता नहीं हूं कि इस देश का विश्वास उस डिपार्टमेंट से उठे। उस डिपार्टमेंट के एक बड़े ऑफिसर हमारे यहां आये, हमारे पिताजी से बात करके और बोला कि हम विनय से मिलना चाहते हैं। तो पिताजी को पता नहीं था क्योंकि वो भी पॉलिटिकल हैं तो उन्हें लगा कि इतने बड़े डिपार्टमेंट से आये हैं तो बुला लें। तो मुझको बुलाया और बुलाकर जब उन्होंने बात की तो बड़ी हैरानी वाली बात की और बकायदा उन्होंने जिन–जिन से मुलाकात की, अपने मोबाइल में वो फोटो भी दिखाई। उन्होंने बताया कि बहुत जल्द आपके मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी अरेस्ट होने वाले हैं और उनके अरेस्ट होने के बाद ये सरकार टूटेगी, विधायक टूटेंगे, हमने 21 लोगों से बात की है उनकी फोटो बकायदा मुझे मोबाइल में दिखाई as a proof कि देखो मैंने इन–इन से मुलाकात की है और आप भी अब छोड़ दो, आप भी आ जाओ तो आपको तो दोबारा चुनाव लड़ायेंगे ही लड़ायेंगे और मेरे पिताजी को भी कहा कि आप भी बीजेपी में शामिल हो जाओ, आपको चुनाव भी लड़ायेंगे, चुनाव खर्चा भी देंगे और आपके बेटे को दिल्ली में डिप्टी सी.एम. भी बनायेंगे। तो इस तरीके का ऑफर इन्होंने दिया और अगर सी.एम. साहब की परमीशन हो तो जिस डिपार्टमेंट के लोग और जो लोग आये थे मैं इस पटल पर रख सकता हूं। तो ऐसी कवायद जब चल रही हो तो बड़ा दु:ख होता है और मैं

राजनीति में सिर्फ पॉलिटिक्स करने नहीं आया। बचपन से देखा है तो भरपूर मौके भी मिले हैं 2013 में भी विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन मैंने देखा कि हम लोग पूर्वांचल से आते हैं और हम लोगों ने प्रवासियों की आवाज हर पटल पर उठाई है चाहे वो विधानसभा हो चाहे बाहर दिल्ली में पहचान की लड़ाई हो। तो हमेशा जब प्रवासियों की हमने आवाज़ उठाई तो चाहे बीजेपी हो, चाहे कांग्रेस हो सिर्फ प्रवासियों को वोट देने लायक समझा कभी भी उनको राजनीतिक पहचान नहीं दी। हमेशा सिर्फ अपना वोट बैंक समझा और समझा कि सिर्फ कुछ इनको थोड़ा-बहुत लालच देते रहो ये हमको वोट देते रहेंगे लेकिन मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी को धन्यवाद करना चाहूंगा कि पूर्वांचल के 16 लोगों को इन्होंने विधायक बनाया और आज बिहार, यू.पी. के लोगों को जो दिल्ली में पहचान दी मैं उसके लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं और एक बात और मैं कहना चाहता हूं कि दूसरी पार्टी के लोगों से मिलता हूं तो उनको मैं पूछता हूं कि आखिर आपको आम आदमी पार्टी से जलन क्या है ये तो बताओ। आपको मतलब किसलिये देखकर इतना गुस्सा आता है मुझे लगता है जैसे लगता है कि आम आदमी पार्टी का कोई विधायक आ गया या कोई पार्षद आ गया, ऐसा लगता है कि जैसे कि वो नोंच खायें इसको और बड़े-बड़े इनके सांसद दिल्ली के सांसद उनका तो बस नहीं चल रहा। उनका बस चले तो.. जो भी आम आदमी पार्टी का मिले तो उसका कॉलर पकड़कर इसको जेल में बंद करो पहले। ये आलम है। मैं इनसे पूछता हूं कि आपको आखिर जलन क्या है, क्यूं आपकी शक्ल पर शिकन आ जाती है? क्योंकि शादी विवाह में मिलते

रहते हैं, किसी कार्यक्रम में मिलते रहते हैं। तो जब भी देखो उनके चेहरे पर ऐसा लगता है जैसे खा जायेगा। मैने पूछा क्यों इतना गुस्सा आता है आपको? तो कहता है यार तुमने अपने विधायक देखें हैं। मतलब कैसे–कैसे लोगों को विधायक बना दिया। मैने कहा अगर तुमने सही लोगों को विधायक बनाया होता तो इनको आने की जरूरत नहीं पड़ती। ये सारे आज आम आदमी पार्टी के विधायक दिल्ली में काम कर रहे हैं। आज दिल्ली में इन्होंने विधान सभा के चेहरे बदले हैं तो इसलिए आज इनको दोबारा मौका मिला और दिल्ली में एक बार नहीं कई सारे विधायकों को तीन–तीन बार रिपीट किया है, तो ये काम की पहचान ये जो इन्होंने काम दिल्ली में किया है इसलिए दिल्ली में लोगों ने रिपीट किया है। आपके छेडने से कुछ होने वाला है नहीं। तो मैं आपको बधाई देना चाहता हूं। मेरे जितने विधायक साथी हैं कि आज आपके काम की वजह से आज दिल्ली में आपको बार–बार रिपीट किया जा रहा है और आपसे उम्मीद करता हूं कि जो विश्वास अरविंद जी ने आप पर किया है उसको हमारी कोशिश होनी चाहिए चाहे आज परिस्थिति कैसी हो। समय की एक बड़ी अच्छी खूबसूरती होती है, समय की एक खूबसूरती होती है कि अच्छा हो चाहे बुरा हो बीत जाता है। तो आप सबने संघर्ष ही देखा है वैसे तो शुरू से मैं भी जब से आपके साथ आया हूं संधर्ष ही देख रहा हूं। काम कराने के लिए भी कई दिक्कते आती हैं। कभी एल जी के माध्यम से, कभी केन्द्र सरकार मोदी जी के माध्यम से और आप लोगों के संघर्ष को मैं सलाम करता हूं और बधाई देता हूं कि जिस संघर्ष और जिस मजबूती के साथ आज आप खड़े हो तो ये मेरे जैसे नौजवान को और मजबूती और

विश्वास देता है कि आम आदमी पार्टी वो पार्टी है जो नौजवानों के हितों की रक्षा कर सकती है। जो दिल्ली के बच्चों को एजूकेशन दे सकती है। जो अन–ओथोराईज्ड कालोनी में रहने वाले लोग हैं, क्योंकि मैं भी अन–ओथोराईज्ड कालोनी में रहता हूं। आज भी हमारा घर अन–ओथोराईज्ड कालोनी में ही है। अन–ओथोराईज्ड कालोनी में जो मूलभूत सुविधाएं जो आम आदमी पार्टी सरकार अरविन्द जी के नेतृत्व में दी वो आज देखने बनती हैं और आज कोई भी ऐसी अन–ओथोराईज्ड कालोनी नहीं है जहां पर सड़क ना हो, सीवर ना हो, पानी ना हो, बिजली ना हो। क्योंकि मुझे याद है हम लोग छोटे थे, दूर–दूर से खम्बे लोग, लकड़ी के उस समय बांस का खम्बा मिलता था, दूर–दूर से खम्बे लोग लेकर आते थे और बिजली जोड़ते और तार जोड़कर लाते थे और रात–रात भर जबकि उसकी रक्षा करनी पड़ती थी कहीं दूसरी कालोनी वाला लाइट ना काट दे, हमारा तार ना काट दे। आज चौबीस घंटे बिजली देकर उससे निजात दिलाया और वो भी फ्री। पानी फ्री, बिजली फ्री, एजूकेशन फ्री, माता बहनों के लिए टिकट फ्री। तो अरविन्द जी ने जब सबकुछ फ्री दे दिया तो बीजेपी के पेट में दर्द ये ही है कि आज गरीबों की आवाज कोई क्यूं उठा रहा है। आज दोनों की पॉलिटिक्स में बहुत बड़ा फर्क है। मोदी जी की पॉलिटिक्स और अरविंद जी की पॉलिटिक्स में एक बहुत बड़ा फर्क है। एक पॉलिटिक्स होती है डरा कर पॉलिटिक्स करने की कि अगर मैं नहीं रहा तो तुम्हारा क्या होगा। अगर मैं नहीं रहा तो तुम्हारे घर पर जो है हमला हो जायेगा। मैं नहीं रहा तो तुम्हारे बच्चों का फ्यूचर खत्म हो जायेगा। ये

भारतीय जनता पार्टी की पॉलिटिक्स है। कैसे डरा कर लोगों से वोट लेना और उसी का एक बड़ा माध्यम ईडी भी है, सीबीआई भी है, आई टी भी है। आज सुबह मैं एक व्हाट्सअप ट्वीटर पर पढ़ रहा था कि एक व्यक्ति बीमार हो गया। नोयडा के एक अस्पताल में चला गया। तो उसको डाक्टर ने कहा कि तुम्हारा पूरा जो है हार्ट की बाईपास करनी पड़ेगी, तुम्हारा तो हार्ट पूरा तीनों वॉल ब्लॉक हो चुका है। उसका बेचारे का वो था पीपीएस था तो उसने कहा ठीक है जी फटाफट करो। डर गया वो। तो उससे कन्सर्ट फॉर्म भरवाया। तो कन्सर्ट फॉर्म जब वो लाया तो उसने नाम भरा, अपना एड्रेस भरा और प्रोफेशन में उसने ईडी भरा। ईडी भरते ही हॉस्पिटल का पूरा रूख ही बदल गया। उसको दूसरे डाक्टर चैक करने आये, उन्होंने बोला कि आप बिल्कुल ठीक हैं। आपका वॉल्व भी बिल्कुल ठीक है। आप चैक अप कराते रहो। फ्री में उसका चैकअप भी किया और उसको दवाई भी दी और बोला अगले छः महीने तक फ्री में इलाज भी कराते रहो। वो आदमी भी सोच रहा है कि ईडी मतलब मैं एजूकेशन डिपार्टमेंट में रहा इतने साल मुझे इज्जत नहीं मिली और ईडी मैने यहां भरते ही मुझे इज्जत मिली। तो ये आज ईडी का डर ऐसा हो गया है उस डर से आज सारी दुनिया जो है आज बीजेपी में शामिल हो गई। तो ये आज मुझे भी पढकर लगा कि ये बात तो सही है। आज अगर किसी के घर फोन भी आ जाये तो उठाते ही फोन आ जाये तो वो ये बोलता है कि मैं ईडी से बोल रहा हूं तो सामने वाला बोलता है मैं बीजेपी से बोल रहा हूं। तो ये ऐसा खौफ इन्होंने बैठा दिया है, वो ही खौफ आज पूरे देश में इन्होंने बैठाया

है और पहली बार ऐसा हुआ है, पहली बार ऐसा हुआ है कि डेमोक्रेसी में आज चाहे छोटा रिक्शा चलाने वाला हो, चाहे बड़े से बड़ा बिजनेसमैन हो आज कहीं भी प्रधान मंत्री जी के बारे में बोलने में डर रहा है। ये होती है डर की पॉलिटिक्स। एक होती है पॉलिटिक्स ऑफ इम्पावरमेंट जिसमें आप लोगों को मजबूत करो। उनको शिक्षा देकर, उनको जब कोई परिवार में बीमार हो..

माननीय अध्यक्षः विनय जी कन्क्लूड करिये प्लीज।

श्री विनय मिश्राः तो उनको चिंता ना हो। सर आप बीती बता रहा हूं तो इसमें थोडा सा मुझे समय चाहिए सर आपसे, ये आप बीती है, एक जेनुइन आपके सामने सारी बात रख रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः जिन माननीय सदस्यों ने बोलना है उनका समय कम रह जायेगा।

श्री विनय मिश्राः मैं दो मिनट और लूंगा। एक पॉलिटिक्स होती एम्पावरमेंट की जिसमें आप बच्चों को शिक्षा देते हो। किसी के घर में कोई बीमार हो तो उसको चिंता ना हो उसको पता हो कि मेरा इलाज बढिया हो जायेगा। महिलाओं को कहीं जाना हो, तो उसको किसी का मुंह ना देखना पड़े। किसी को बुलाना ना पड़े कि मुझे ले चल गाड़ी में। आज महिलाओं को इम्पावर हमने किया कि आज कहीं उनको जाना हो तो उनको किसी का मुंह देखने की जरूरत नहीं है। बस में जायें और कहीं भी पूरी दिल्ली में जा सकती हैं। तो ये इम्पावरमेंट ऑफ जो

पीपल है ये पॉलिटिक्स दर्शाती है कि ये यूचर इस देश का इम्पावरमेंट है कि आप अपने बच्चों का इम्पावर करो ताकि वो बच्चा किसी और देश में जाकर नौकरी ना मांगे, वो बच्चा ऐसा बने कि दिल्ली में पूरे देश में आकर उससे लोग कहें कि मुझे नौकरी दो, ये इम्पावरमेंट है। ये इम्पावारमेंट हम दिल्ली में देख रहे हैं। तो इसलिए मैं अरविंद जी को बहुत बधाई देता हूं और मैं कहना चाहता हूं सर कि आपकी इन्हीं नीतियों की वजह से हमारे जैसे नौजवान आज प्रभावित हैं। चाहे वो बीजेपी वाले चाहे, डिप्टी सीएम दे दे, चाहे पीएम दे दे, चाहे कुछ भी पैसा दे दे, हम आपके साथ है और दिल्ली के हितों के लिए आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते रहेंगे। मैं और मेरा पूरा परिवार, मैं परिवार इस लिए कहूंगा क्योंकि मेरे परिवार के बहुत से लोग पॉलिटिक्स में हैं कोई निगम पार्षद है और कुछ सीनियर भी हैं तो मेरा पूरा परिवार आप पर पूरा फेथ रखता है और हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ते रहेंगे और आपको मजबूत करते रहेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री सही राम जी। बहुत संक्षेप में सही राम जी प्लीज।

श्री सही रामः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। आपने मुझे आज इतने गम्भीर मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, केन्द्र बैठी हुई ये भारतीय जनता पार्टी ना कहकर मैं तो कहूंगा 'भारत जलाओ पार्टी' का ये दर्द आज का दर्द नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जब 2015 में दिल्ली

में आम आदमी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार अरविन्द जी के नेतृत्व में बनी तब से ये दर्द उनका शुरू हुआ। उसके बाद ये दर्द और बढ़ा कब जब पंजाब में अरविंद जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। तब इनका ये दर्द और बढ़ गया। अध्यक्ष महोदय, उस दर्द में एक और कहते हैं ना कील ढोकी जब गुजरात में और गोवा में हमारे विधायक चुनकर आये। केन्द्र में बैठी हुई भारत जलाओ पार्टी का एक ही लक्ष्य है कि औरों से तो आप निपट लोगे लेकिन दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी का क्या तोड है तुम्हारे पास जब उन्हें कोई तोड उनका नजर नहीं आया तो उन्होंने ये झूठे मुकद्दमे लगाने शुरू कर दिये। अध्यक्ष महोदय, किसी भी संगठन को या किसी भी पार्टी को चलाने के लिए उसके नेता की नीति क्या है, नीयत क्या है ये सबसे जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता अरविन्द जी की नीति भी बहुत बढिया है और नीयत बिल्कुल साफ है। इसलिए आज दिल्ली का हर आदमी अरविन्द जी के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार है। अध्यक्ष महोदय, यहां नेता विपक्ष भी बैठे हुए हैं। आपके माध्यम से मैं दो तीन बात पूछना चाहूंगा। कितने ही राज्यो में भारतीय जनता पार्टी की सरकार चल रही है। क्या इनके किसी भी स्टेट में इनकी किसी भी सरकार ने फरिश्ते जैसी योजना लागू की,नहीं कि क्योंकि इनकी नीति ठीक नहीं है, इनकी नीयत ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इनकी किसी भी सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक की योजना लागू की, नहीं की। मैं आज आपको बताता हूं। मेरी छोटी सी विधान सभा है उस छोटी सी विधान सभा में आठ मोहल्ला क्लीनिक आज के टाइम में काम कर रहे हैं। मैं एवरेजन घूमता रहता हूं। हर मोहल्ला क्लीनिक की डिटेल लेता हूं। अध्यक्ष

महोदय, डेली की डेढ सौ से दो सौ व्यक्ति डेली वहां से अपना इलाज करा रहे हैं। डेली दवा ले रहे हैं। मतलब तकरीबन एक दिन में 15 सौ से 16 सौ लोग उन मोहल्ला क्लीनिकों से दवाई ले रहे हैं। कितनी बड़ी संख्या है। पूरी दिल्ली में 70 विधान सभाएं हैं अध्यक्ष महोदय। कितने हजारों लोग डेली अपना फ्री इलाज करा रहे होंगे, इसका कोई तोड है अरविंद जी का, नहीं है। तीर्थ यात्रा हमारे बुजुर्ग इंतजार करते रहते थे कि कब मेरा बेटा इस लायक होगा कि मुझे तीर्थ करायेगा, मुझे वैष्णो देवी ले जायेगा, मुझे अयोध्या ले जायेगा। आज उसका तोड है क्या भारत जलाओ पार्टी के पास, नहीं है अध्यक्ष महोदय। अभी मेरे दो साथियों ने बड़ी अच्छी बात बताई कि इनसे उन्होंने सम्पर्क किया। अध्यक्ष महोदय, ये तो सम्मानित विधायक हैं। मैं तो भारत जलाओ पार्टी को चैलेंज करता हूं कोई आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता को तो तोड कर दिखा दे, नहीं तोड सकते। क्योंकि इमानदार पार्टी के कार्यकर्ता इमानदार पार्टी के विधायक हैं। आज सब जगह चर्चा है। स्कूल मॉडल की, हैल्थ मॉडल की, तीर्थ यात्रा की, बिजली फ्री, पानी फ्री, दवाई फ्री, इसका तोड है भारत जलाओ पार्टी के पास, नहीं है अध्यक्ष महोदय। उन्होंने इससे पहले भी हमारे 21 विधायक जो कमेटियों के मैम्बर बनाये थे उनको भी अयोग्य घोषित करा दिया था। किस लिए कि 21 विधायक ये चले जायेंगे दो तीनों को तुम तोड लेना तुम्हारी सरकार बन जायेगी। अध्यक्ष महोदय, क्या मिला झुनझुना, नहीं कर पाये। अध्यक्ष महोदय, भाजपा को जनता के कामों से कोई लेना देना नहीं है। उनको सिर्फ सत्ता चाहिए। सत्ता चाहिए इसलिए मैं कहूंगा कि अभी आपको जीता जागता मै बताऊँ। जब निगम चुनाव हुआ पिछले

साल इनको सत्ता मोह इतना है कि निगम चुनाव के दौरान इन्होंने मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टरों की तनख्वाहें बंद कर दी। कम्प्यूटर ओपरेटरों की तनख्वाहें बंद कर दी, दवा बंद कर दी, टेस्ट बंद कर दिये कि दिल्ली में विरोध पैदा हो जायेगा और निगम में तुम्हारी सरकार बन जायेगी। अध्यक्ष महोदय, अरविंद केजरीवाल जी भाजपा के षड़यंत्र के आगे ना तो टूटे हैं ना झुके हैं और लगातार दिल्ली की जनता के लिए अनेकों काम किया है। जिस वजह से अब दिल्ली के लोग उन्हें बेशुमार प्यार करते हैं। अध्यक्ष महोदय, कभी ईडी का रूप, कभी सीबीआई का रूप धारण करके कोशिश कर रही है कि कैसे भी करके अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटला में गिरफ्तार कर लिया जाए और आम आदमी पार्टी की सरकार को गिरा दिया जाये। भाजपा ने हमारे सात विधायकों से सम्पर्क किया सबको 25-25 करोड का ऑफर किया वह आम आदमी पार्टी छोडकर भाजपा में शामिल हो जायें। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आज मैं पूरी इस उसमें धन्यवाद करूंगा सभी साथियों का कि किसी एक को वो खरीद नहीं पाये। अध्यक्ष महोदय, एक ये और चीज मैं बताऊँ। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यूपी में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, लेकिन वहां उन्हें स्वास्थ्य लाभ नहीं मिलता। इस लिए दिल्ली के किनारे-किनारे जितने भी हमारी यूपी हो या हरियाणा हो, जैसे मेरी हरियाणा बॉर्डर से टच है मेरी विधान सभा। वहां मेरी प्रहलाद पुर में मोहल्ला क्लीनिक है, लाल कुंआ में मोहल्ला क्लीनिक है। फरीदाबाद तक के लोग मेरी विधान सभा से मोहल्ला क्लीनिक का लाभ ले रहे हैं। शर्म आनी चाहिए भारतीय जनता पार्टी को जब ये अपने वहां सुविधा नहीं दे सकते तो झूठे आरोपों में

आज आम आदमी पार्टी को परेशान करने का काम ये कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, भाजपा छल से लगातार दिल्ली की सत्ता को पाने की कोशिश में लगी रही है क्योंकि वह अरविंद केजरीवाल जी को दिल्ली में हराने में नाकाम रहे हैं। 2014 में याद करें अध्यक्ष महोदय 2014 में उस समय रहे भाजपा के उपाध्यक्ष अभी दिनेश मोहनिया जी यहां नहीं है, शेर सिंह डागर ने ये ही कोशिश की थी जिसका हमने स्टिंग जारी किया वह स्टिंग आज भी यू टयूब पर लोड है अध्यक्ष महोदय। 2024 में फिर ये ही कोशिश कर रही है जो फिर भी असफ़ल रहेगी क्योंकि भगवान और दिल्ली की जनता अरविंद जी के साथ है। अगर भाजपा ने छल से दिल्ली में आम आदमी पार्टी को गिराने की कोशिश की तो इसका जवाब उन्हें आने वाले लोकसभा में मिल जायेगा। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इतने गम्भीर मसले पर बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं तहे दिल से आपका आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द। जय भारत।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद सही राम जी। अखिलेशपति त्रिपाठी। श्री अखिलेशपति त्रिपाठी जी। संक्षेप में रखिये अखिलेश जी प्लीज।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं अपना वक्तव्य 2013 से शुरू करूंगा। जब पहली बार मैं यूपीएससी की तैयारी कर रहा था और साथ में एक लाल बाग क्लस्टर है वहां पर जाकर बच्चों को पढ़ाने का भी काम करता था और धीरे-धीर वहां पर राशन देने का आंदोलन भी शुरू किया। अन्ना के आंदोलन से ले करके मुझे

अरविन्द जी का साथी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और जब पार्टी बनी तो छोटी–छोटी जिम्मेदारियां सबको मिली। उस दौरान जब हम लोग कहते थे कि दिल्ली की जनता से कि हम लोग आयेंगे तो बिजली निशुल्क देने का काम करेंगे। हम जब आयेंगे तो शिक्षा वर्ल्ड क्लास बनाने का काम कर देंगे। हम जब आयेंगे तो स्वास्थ्य की व्यवस्था निशुल्क करने का काम करेंगे। पानी निशुल्क देने का काम करेंगे। तो लोग पूछते थे कांग्रेस और बीजेपी वाले पूछते थे कि भई सत्तर साल में कांग्रेस और बीजेपी नहीं कर पाई ये काम, क्या अरविंद केजरीवाल जादू की छड़ी लेकर आयें हैं? तो हम लोग कहते थे जा कर वहां पर कि भाई साहब ये सत्तर साल में कर नहीं पाये, धोखा दिया इन दोनों ने। एक काम करो हम कह तो रहे हैं आज भी ये कहते नहीं, ये लोग तो, आज भी ये नहीं कहते हैं बिजली फ्री देने का काम करेंगे, पानी फ्री देने का काम करेंगे। वल्ड क्लास एजूकेशन निशुल्क शिक्षा देने का काम करेंगे। चिकित्सा देने का काम करेंगे। कम से कम हम कह रहे हैं, हम पर भरोसा तो कर लो। इन लोगों ने आपको बहुत धोखा दिया है, अगर हम पूरा नहीं करेंगे तो हमें भी बाहर कर देना। दिल्ली के लोगों ने भरोसा किया अरविंद केजरीवाल की उस ईमानदार गारंटी पर। देश की राजनीति में गारंटी की शुरूआत करने के लिए हमारे नायक अरविंद केजरीवाल जी को मैं सल्यूट करता हूं कि आज बहुत सारे लोग गारंटी की नकल कर रहे हैं। ये देश में लोकतंत्र में अरविंद केजरीवाल मॉडल की जीत है। आज लोग लिख रहे हैं कि फलांने की गारंटी, ढिकाने की गारंटी ये अच्छी बात है नकल करें अच्छी चीजों का होना चाहिए। लोगों

ने भरोसा किया और आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी को 28 सीटें देने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, मुझे भी उस 28 लोगों में चुन करके भेजने का काम किया जनता ने। और भारतीय जनता पार्टी के हाथों से सत्ता खिसक गई थी। मुझे याद है 32 लोग इधर ही बैठे रहते थे और सोचते थे कि 28 वाले सरकार में है हम 32 में सरकार में नहीं है। इन्होंने कुचक्र रचा। आदरणीय अरविंद केजरीवाल ने आदर्श के आधार पर बोला अगर हम जनता से जो वादा किए पूरा नहीं कर सकते तो हम सरकार में नहीं रहेंगे, उन्होंने इस्तीफा दे दिया। और भारतीय जनता पार्टी ने विधान सभा को भंग नहीं किया कुचक्र रचा। एक-एक विधायकों के पास जा करके लोगों को खरीद फरोख्त करने की कोशिश की। उसमें मेरे से भी बात करने की कोशिश की। हमने बताया इनके वह तत्कालीन एक मुख्य मंत्री बनने का सपना ले करके घूम रहे थे। राजेश भाई बता रहे थे किस तरीके से एक भी आदमी आम आदमी पार्टी का ये खरीद नहीं पाये। एक आदमी खरीद नहीं पाये। क्योंकि जो भी आदमी आये थे वो देश के लिए आये थे। आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी का जो सपना था कि लोकतंत्र में एक-एक आदमी को मजबूत करना है, एक-एक आदमी को शिक्षित करना है, एक-एक आदमी को स्वस्थ करना है, सामर्थ्यवान करना है। इस मिशन को, बुनियाद को पूरा करने के लिए सभी लोग आये थे अध्यक्ष महोदय। उस मिशन के लिए जुड़ करके इनके आपरेशन कीचड़ मैं तो लोट्स तो नहीं कहूंगा, कीचड़ फैलाने का जो ऑपरेशन था वो झाड़ू से हमने साफ कर दिया। वो सफल नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, ये प्रयास जो 2015 में हुआ। 2017 में प्रयास किया इन्होंने, 2021 में प्रयास किया, 2022 में प्रयास किया,

2023 में प्रयास किया लेकिन सैल्यूट है एक-एक साथियों को कि उन्होंने अपनी ईमानदारी का जो हमारा सिम्बल है आम आदमी पार्टी का उसको जिंदा रखने का काम किया। आज भारतीय जनता पार्टी जब हमारी सरकार के आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी के कामों से जीत नहीं पा रही है। जब वो हमारे निशुल्क बिजली के मॉडल को अपने किसी प्रदेश में लागू नहीं कर पा रही है और फिर भी उनकी सरकारें घाटे में चल रही हैं, मुनाफे की सरकार दिल्ली में चलाकर अरविंद केजरीवाल जी ने दिखा दिया तो चुनौती बन गये उनके लिये। अब कह रहे हैं इस सरकार को तोड़ने का काम करेंगे। आप काम नहीं कर सकते तो काम करने वाली सरकार को गिराने का काम कर रहे हैं भारतीय जनता के लोग आज ये हमारे वर्ल्ड क्लास शिक्षा के माडल से डर गये, जहां भी शिक्षा का चर्चा होता है अरविंद केजरीवाल जी के माडल का शिक्षा का चर्चा होता है दिल्ली के माडल का चर्चा होता है। आज जहां भी चिकित्सा की चर्चा होती है वहां मोहल्ला क्लिनिक की चर्चा होती है, कोई मोदी जी के चिकित्सा के माडल की चर्चा तो नहीं होती देश में, कोई उत्तर प्रदेश की सरकार के चिकित्सा के माडल की चर्चा तो नहीं होती। इससे परेशान हैं ये लोग। वो दिल्ली जहां पर एक भी बूंद हमारा अपना पानी नहीं है 1990 के दशक में हमने हरियाणा से जो समझौता हुआ जो पानी मिलता है आज अपने वर्ल्ड क्लास मैनेजमेंट के माडल से दिल्ली के उसी पानी को 700 अनधिकृत कालोनियों में अतिरिक्त पहुंचाने का काम हमारी सरकार ने कर दिया ये आप नहीं कर पाये, भारतीय जनता पार्टी नहीं कर पाई। आज इस

माडल से डर कर के भारतीय जनता पार्टी हम लोगों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। अध्यक्ष महोदय जब ये हमें तोड़ नहीं पाये तो अब ये सोशल मीडिया के माध्यम से हमें बदनाम करने के माडल पे आ गये हैं। इन्होंने कहा जी शराब घोटाला हो गया दिल्ली में जी। हमने कहा भई क्या घोटाला हो गया बताओ तो सही शराब घोटाला क्या है, कितना पैसा चला गया सरकार के खजाने से, अभी तक तो हम सुनते थे कि घोटाला हो गया, पहले सरकार के खजाने में आबकारी नीति से 2500 करोड रूपया आता था अब 2 हजार करोड रूपये आ गया तो कौन सा घोटाला हो गया। ऐसा नहीं हुआ अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय इस नीति से सरकार के खजाने में 10000 करोड़ आने का काम हुआ तो बोले कि अब तो ये सरकार बहुत काम करने जा रही है, ये 400 यूनिट बिजली फ्री करने की योजना बना रहे हैं अरविंद केजरीवाल जी जो इससे पैसे आ रहे हैं, दिल्ली में सारे नागरिकों के लिये बस फ्री करने का योजना बना रहे हैं कि जो भी दिल्ली में अपना प्राईवेट व्हीकल नहीं यूज करेगा और सरकारी वाहनों का प्रयोग करेगा उसको फ्री राईड का अधिकार दिया जायेगा ये स्कीम चलाने के लिए हमारी सरकार सोचने लगी थी। इनको डर लगने लगा अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदयः अखिलेश जी, कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः इन्होंने ये बदनाम करना शुरू कर दिया। आज मैं बताना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय पूरी दिल्ली में 10

हजार करोड से ज्यादा का अवैध दारू बिकवाने का काम भारतीय जनता पार्टी पुलिस के माध्यम से कर रही है। खुद घोटाला करने का काम कर रहे हैं, इनका अवैध शराब बिकवाने का पूरे देश में माडल है 5-6 सिंडिकेट काम करते हैं। गुजरात चले जाईये एक बूंद भी शराब बेचना वहां अलाउ नहीं है लेकिन जहां भी बैठ जाईये आपके घर पे, होटल पे, आपके चौपाल पे कहीं पर आप जाईये आपको वहां पर दारू बिकने का काम होगा, वहां मिलने का काम होगा, वो तस्करी कराने का काम भारतीय जनता पार्टी गुजरात में करती है और वही माडल तस्करी का हरियाणा का दारू, उत्तर प्रदेश का दारू दिल्ली में बिकवाने का काम कर रहे हैं। असल बात में ये कोई घोटाला नहीं हुआ, ये जो इनके जेब में पैसा जाता था और घोटाला जो अवैध शराब बिकवाते हैं, तस्करी करवाते हैं उस तस्करी को जारी रखने के लिये,

(समय की घंटी)

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः अरविंद केजरीवाल जी की सरकार को बदनाम करने के लिये इन्होंने झूठा शराब घोटाले का आरोप लगाया है। अध्यक्ष महोदय, एक बात और कहूंगा दो मिनट और लगेगा इन्होंने कहा.

अध्यक्ष महोदयः अखिलेश जी, कंक्ल्यूड करिये प्लीज, कंक्ल्यूड करिये।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः कि अरविंद केजरीवाल जी ने बांग्लादेशियों को दिल्ली में बसाने का काम कर दिया। मैं पूछना चाहता हूं बिधूड़ी जी बैठे हैं दिल्ली क्या बांग्लादेश के बार्डर पे बसा हुआ है।

अरविंद केजरीवाल जी ने जाके दरवाजे खोल दिये रात में आके, 50 कि.मी. का एरिया केंद्र सरकार को सुरक्षित करना है, भारतीय जनता पार्टी को शर्म आनी चाहिये और माफी मांगना चाहिये पूरे देश से आज ये सीमा की सुरक्षा नहीं कर पा रहे। बांग्लादेशी सीमा से घुस रहे हैं, देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है केंद्र सरकार कर रही है और कहते हैं बांग्लादेशियों को अरविंद केजरीवाल बसाने का काम करती है। आप सीमा की सुरक्षा नहीं कर पाओगे और वहां से बांग्लादेशियों को घुसाने का काम करोगे और वहां से घुसते घुसते बांग्लादेशी देश की राजधानी में आ जायें, यहां की पुलिस की व्यवस्था, लॉ एंड आर्डर की व्यवस्था, जमीन की व्यवस्था केंद्र सरकार के पास है।

अध्यक्ष महोदयः अखिलेश जी बैठिये अब बैठिये प्लीज, कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

श्री अखिलेश पति त्रिपाठीः मैं अध्यक्ष महोदय आज इस पर कहने आया हूं कि ये कितना भी प्रयास कर लें आम आदमी पार्टी का एक एक साथी, एक एक वालंटियर, एक एक विधायक माननीय अरविंद केजरीवाल जी के जो आम लोगों के कल्याण की नीति है, जो उनकी नीति है एक एक लोगों को मजबूत करने की उसके साथ खड़ा है, आप 10 नहीं, बीस नहीं पचास नहीं सौ करोड भी देने का आफर किसी को कर दीजिये आपके इस झूठ वाली भारतीय जनता पार्टी के भारत जलाओ की नीति के साथ हमारा कोई भी विधायक खड़ा होने वाला नहीं है। हम लोग मजबूत लोकतंत्र के साथ, एक ईमानदार नेतृत्व

के साथ अरविंद केजरीवाल जी के साथ मरते दम तक खड़े हैं और खड़े रहेंगे। एक भी आदमी न गया है न जायेगा। यही आपको पीड़ा हो रही है कि सारी पार्टी आपने तोड़ ली आम आदमी पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है जिसको अभी तक भारतीय जनता पार्टी तोड़ नहीं पाई और ये आपको चुनौती देना चाहता हूं एक शेर के माध्यम से कि

''औरों के ख्यालात की लेते हैं तलाशी

औरों के ख्यालात की लेते हैं तलाशी

और अपने गिराबां में झांका नहीं जाता,

अपने गिराबां में झांका नहीं जाता।''

जरा अपने गिराबां में झांकिये और ईमानदार लोगों पर झूठे आरोप लगाना और उनकी खरीद फरोख्त करना, लोकतंत्र को शर्मिंदा करना भारतीय जनता पार्टी के लोग बंदकरें बहुत बहुत धन्यवाद, जय हिंद।

अध्यक्ष महोदयः श्री सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपने आज विश्वास मतपर मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं खड़ा हुआ हूं माननीय अरविंद केजरीवाल जी के द्वारा विश्वास मत पेश किया गया उसके स्पोर्ट में और क्यों स्पोर्ट कर रहा हूं क्योंकि उसके पीछे कारण है मेरे नेता हैं पूरे देश के अंदर एक काम की राजनीति के पुरोधा हैं लेकिन आज मैं rationally ये प्रूव करने का प्रयत्न करूंगा कि क्यों आज देश की choice अगर कोई बनने के

काबिल है तो उसका नाम अरविंद केजरीवाल हैं सर। चुनाव आते हैं और जाते हैं कई चुनाव आए कई चुनाव गए। कई बार इस देश के अंदर चर्चा हुई कि ऐसी कौन सी पार्टी है जो अपने चुनावी वायदों को पूरा करती है ऐसा कौन शख्स है जिसने इस देश में सिद्ध किया कि जो कहा सो किया। भाजपा ने तो, भाजपा के बड़े नेताओं ने साफ साफ कह दिया चाहे 15 लाख का मसला हो, चाहे दो करोड़ एम्पलायमेंट का मसला हो इस सबके मसले पे भाजपा के बड़े नेताओं ने खुले में कहा कि ये तो चुनावी जुमला था बेशर्मी की हद है कि खुद के किए गए वादे जनता के सामने खुल के किए गए वादों को खुदी कहा कि चुनावी जुमला था इकलौता व्यक्ति है पूरे हिंदुस्तान की राजनीत में जिसने ताल ठोक कर कहा कि जो कुछ भी मैंने चुनाव में कहा है उसको पूरा करूंगा और पूरा करके दिखाया अध्यक्ष महोदय। केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस किस प्रकार से खास कर के केजरीवाल जी का पर्सनल जो allegiance है जनता के साथ किस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी को डावांडोल कर रही है। आज तक दिल्ली के अंदर किस प्रकार से केजरीवाल जी के स्पोर्ट में दिल्ली की जनता खड़ी है कौन वो शख्स है जो जनता के वोट का असली वैल्यू देता है यही तो प्रताड़ना हो रही है भाजपा की। अध्यक्ष महोदय, अरविंद जी से हमने एक चीज सीखी है पता नहीं वो इन लाइनों में कहें कि नहीं कहेंगे लेकिन मैं कहने का प्रयत्न करता हूं जिंदगी में मौत एक बार आती है लेकिन जब अरविंद जी को देखता हूं तो एक बात सीखता हूं कि रोज रोज नहीं मरना है जब मौत आएगी तब मरना है मरने के पहले नहीं मरना

ये अरविंद केजरीवाल ने सिखाया था । ये बहुत बड़ी बात है। आज की तारिख में जिस प्रकार से हमारे तीन शीर्ष के नेताओं को सिसौदिया साहब को, सत्येन्द्र जैन साहब को, संजय सिंह जी को बेमतलब और मैं एक वकील होने के नाते भी कह रहा हूं इनके केसीस में धेले भर का सबूत नहीं है। ये सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक दबाव के कारण उनको इन्होंने अंदर रखा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, केजरीवाल मॉडल ऑफ डेमोक्रेसी वर्सिस मोदी मॉडल आफ डेमोक्रेसी किस प्रकार से अंतर है देखिए। एक व्यक्ति चुनावी वायदे करता है मैनिफैस्टो में लिखते हैं मैं ऐजुकेशन में ये करूंगा, हेल्थकेयर में ये करूंगा, बिजली में ये करूंगा, पानी में ये करूंगा। बिल्कुल टाइम बाउंड कि जैसे ही सरकार में आए तो हमने बिजली में आधा कर दिया, पानी माफ कर दिया और दूसरी तरफ मोदी माडल आफ़ डेमोक्रेसी क्या कहता है पहले ये tinkering करेंगे वोटर लिस्ट में, फिर tinkering करेंगे कि भई ईवीएम को गड़बड़ करो, फिर अगर फिर भी कोई जीत गया तो उस एमएलए को खरीदने का प्रयत्न करो अगर नहीं खरीदा जा रहा तो इडी, सीबीआई ले के आओ अगर उससे भी नहीं खरीदा जा रहा तो फिर भारत रत्न दे दो उसको चूंकि आजकल भारत रत्न भी इस्तेमाल हो रहा है। जिस प्रकार से पिछले दिनों में भारत रत्न दिया है एक के बाद एक एक के बाद वो सारे शख्स विभूतियां हैं उनको मिलना चाहिए था, पहले ही मिलना चाहिए था लेकिन चुनाव के दौरान देकर के आपने ये सिद्ध किया कि भारत रत्न आज एक पोलिटिकल टूल हो गया है, और कारण है चूंकि वो हमे तो पता नहीं, हमने पता करने का प्रयत्न किया कि भई इतने

सारे गुण मोदी जी कहां से लाते हैं तो वो जो डिग्री है ना वो MA in entire political science सारा मसला entire का है entire का हमने यूजीसी में पूछा कि भइया entire political science कहां पढ़ाया जाता है बोला भाई साहब क्यों पूछ रहे हो। मुझे मालूम है तो ये entire का सारा मसला है कि भई entire political science जो पढ़ के आए हैं मोदी जी उसमें यही सब पढ़ाया गया कि भई कुछ नहीं हो अगर फिर भी सरकार नहीं गिरे तो चंडीगढ़ model of इलेक्शन करवा दो कि बाकायदा खुलेआम सीसीटीवी होने के बावजूद वो किसी का वोट चुरा कर के भाजपा का उम्मीदवार को जिता दो। ये है MA in entire political science उसमें ही पढ़ाया गया होगा। अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय उच्चतम न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट ने electoral bonds पे रोक लगाई और देश को बताया कि किस प्रकार से देश के डेमोक्रेसी के साथ खिलवाड़ हो रहा है। किसने पैसे लगाए सात हजार करोड़ रूपया electoral bonds से भाजपा को मिला इसका सोर्स क्या है, किसने पैसे दिए कंपनी के द्वारा पहले जब डोनेशन होता था उस पर साढे सात परसेंट का एक अपर लिमिट था, उसको हटा दिया गया। तो देश के डेमोक्रेसी के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है उसका सोर्स तब मालूम पड़ेगा जब इस पर जांच होगी। अध्यक्ष महोदय, इनको शर्म आनी चाहिए एक ही व्यक्ति है जिसने इस देश को सिखाया कि हमें चलना है, किसके राह पे चलना है, नाथूराम गोडसे की राह पे चलना है कि महात्मा गांधी की राह पे चलना है। भगतसिंह की राह पे चलना है या सावरकर की राह पे चलना है। अध्यक्ष महोदय, उस शख्स से मोदी जी बहुत परेशान हैं। अगर अरविंद जी भी औरों की तरह जुमले बाजीयां

करते, करप्शन करते, लैंड खरीदते, बिल्डिंगे खरीदते पैसा इकटठा करते तो भाजपा को कोई आपत्ति नहीं थी कि ये हमारे जैसे हैं। हुआ ये कि अंधों की नगरी में आंख वाला आ गया। जिस दिन से अरविंद जी आए हैं कभी शिक्षा की बात करते हैं, कभी स्वास्थ्य की बात करते हैं, कभी बिजली की बात करते हैं, कभी पानी की बात करते हैं तंग हो गए हैं मोदी जी। कह रहे हैं जिस दिन से आया है उस दिन से कुछ ना कुछ ऐसी बातें करते हैं जहां कि हमें शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। अंधों की नगरी में जब आंख वाला आया तो बात करें भई लाल रंग, हरा रंग, पीला रंग, नीला रंग अंधों ने कहा ये क्या चक्कर है जिस दिन से आया है हमें अहसास दिला रहा है कि हम अंधे हैं। तो भई क्या ईलाज क्या है इसका? तो सब अंधों ने मीटिंग करी बोले एक काम करो इसकी आंख भी निकाल लो, इसको हमारे जैसा कर दो। यही करने का प्रयत्न कर रही है भाजपा कि भई इसकी आंख निकल जायेगी, ये भी शिक्षा की बात करना बंद कर देगा, ये भी स्वास्थ्य की बात करना बंद कर देगा, ये भी जनता को सुविधायें देने वाली राजनीति बंद कर देगा, ये हमारे जैसा हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, आज मुझे बड़ा आश्चर्य होता है और बहुत दुख भी होता है कि अरविंद जी जैसा शख्स इस देश में अगर पहले आ गया होता तो आज जो मोदी जी को मौका मिल गया देश में सबको बेवकूफ बनाने का, नहीं हो पाता क्योंकि अरविंद जी के पिछले 10 साल में मैं एक दिल्ली की बेटी का इंटरव्यू देख रहा था कल सवेरे, बेटी ने कहा कि जब से ये शिक्षा में जो दिल्ली सरकार ने बदलाव किया है उसके कारण उसका कांफिडेंस

इतना बढ़ गया, उसका नॉलेज इतना बढ़ गया कि आज कई सारे इंटरव्यूअर उसका इंटरव्यू लेकर कहते हैं कि भई ये तो गजब हो गया, गवर्नमेंट स्कूल के प्रोडक्ट हो। अगर अरविंद जी जैसा शख्स पहले आ गया होता हिंदुस्तान के अंदर तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि मोदी जी को यहां का शासन करने का मौका नहीं मिलता अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ देखिये अजीत पवार जी ने 70 हजार करोड़ का घोटाला किया, किसने कहा हमने नहीं कहा मोदी जी ने कहा। पिछले दिनों अशोक चव्हाण जी के बारे में जो बातें आईं आदर्श घोटाला किया, किसने कहा हमने नहीं कहा, मोदी जी ने कहा। छगन भुजबल हों, शुभेन्दु अधिकारी हों, हेमंत बिस्वा शर्मा हों, इन सबके बारे में आम आदमी पार्टी ने नहीं भाजपा ने कहा कि वो करप्ट हैं, जेल जाना चाहिये। लेकिन फिर क्या हुआ एक नया वाशिंग मशीन, उसके अंदर घुसाया और निकाला, कहा ये पवित्र हो गये। आज सब भाजपा में सम्मिलित हो गये तो ईडी सीबीआई केस खत्म हो गया। लेकिन जो भाजपा में नहीं जायेगा, जो मोदी जी के अनुसार नहीं चलेगा उसके पीछे ईडी भी चलेगा और सीबीआई भी चलेगा ये देश के अंदर हो गया अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, दो बड़ी चीजें हैं जिसने आम आदमी पार्टी को पूरे विश्व में विख्यात किया है। और आम आदमी पार्टी के इस कार्य के जरिये पूरे भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन हुआ शिक्षा और स्वास्थ्य।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः सिम्बोलिकली इन दोनों में शिक्षा का प्रतीक स्वरूप कौन बने सिसोदिया जी, स्वास्थ्य का प्रतीक स्वरूप कौन बने जैन साहब। तो इन दोनों को उठा के जेल में डाल दो। इनको लगा लेकिन मैं दावे के साथ कहता हूं मैं रोज सवेरे पार्कों में जाता हूं। एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जो ये कह दे कि सिसोदिया साहब ने कोई करप्शन किया हो। जैन साहब ने कोई करप्शन किया होगा। आज पूरा देश कह रहा है कि जो अति कर रहे हैं मोदी जी इससे एक बात सिद्ध हो रहा है कि राजा डरा हुआ है। राजा को डर है एक फकीर से उसका नाम है अरविंद केजरीवाल। पाकेट में पैसा नहीं है अरविंद जी का लेकिन जो प्यार दिल्ली की जनता ने दिया है देश की जनता ने दिया है उस प्यार के बल पे अरविंद जी आज लोहा ले रहे हैं उस शख्स से जिसके पास अकूत संपति है इसके लिये उनके साहस को मैं सलाम करता हूं। अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः भई सोमनाथ जी अब कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः दो मिनट।

माननीय अध्यक्षः नहीं अब नहीं।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय,

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, बस एक मिनट, कर लें एक मिनट कर लें। अध्यक्ष महोदय, ये जो मोदी की गारंटी, मोदी गारंटी

अभी चल रहा है यहां पे भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन तो मुझे लग रहा है वहां मोदी जी बोल रहे होंगे सुनो चिंता मत करो तुम लोग, मोदी गारंटी एक माहौल बना उससे। देश में माहौल बना कि मोदी जीत रहा है लेकिन गारंटी मैं दे रहा हूं मोदी जी कह रहे होंगे अपने कार्यकर्ताओं को ये गारंटी दे रहा हूं वोट किसी को भी जनता करे, सरकार अपनी बनेगी। ये गारंटी है मोदी की आज की तारीख में अध्यक्ष महोदय। और आखिरी में ये जो भगवान श्रीराम का जो इन्होंने प्रयत्न किया कि हमें इसका फायदा मिले, लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं अरविंद जी तो गयें भी वहां मंदिर में भगवान राम के मंदिर में लेकिन अरविंद जी का एक खास बात और है आम आदमी पार्टी ने अरविंद जी के नेतृत्व में जो भगवान श्रीराम के आदर्श हैं कि जनता को किस प्रकार से सेवा करनी है अगर किसी शख्स ने इस देश के अंदर भगवान श्रीराम के आदर्शों पे चलने का प्रयत्न किया उसका नाम अरविंद केजरीवाल है। भगवान राम के मंदिर का भी हम स्वागत करते हैं हम सबने स्वागत किया दिल खोल के स्वागत किया है। लेकिन भगवान श्रीराम के आदर्शो पे अगर न चले तो भगवान श्रीराम भी खुश नहीं होंगे अध्यक्ष महोदय। और आखिरी में चूंकि ये लोटस लोटस चल रहा है मैं रोज पार्कों में घूमता हूं तो कोई न कोई घूमते घूमते आ जाता है मेरे पास सोमनाथ जी अमित शाह जी से मिलवा देता हूं आप बोलो तो सही। हम बोले भैया किससे बोल रहे हो, किसको कह रहे हो। अरे छोड़ो न सोमनाथ जी, आपकी पार्टी खत्म हो जायेगी। अरविंद जी अरेस्ट हो जायेंगे। मैंने कहा अरविंद जी को तुम जानते नहीं हो, ये शख्स वो हे जिसने अकूत

संपति वाला विभाग इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को लात मार कर ये व्यक्ति आया है। मुझे कह रहे हैं अरे एमपी लड़वा देंगे। अरे भैया बोलो तो मुझे पूरे विश्व का प्रधानमंत्री बना दो फिर भी सोमनाथ भारती आखिरी दम तक अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा रहेगा। और अरविंद केजरीवाल जी के लिये एक मैं लाईनें वो जो मैं अक्सर पहले भी कई बार कहा है बस दो लाईन उसमें सारा निचोड़ आ जायेगा

''न मैं गिरा न मेरी उम्मीदों के मीनार गिरे

न मैं गिरा न मेरी उम्मीदों के मीनार गिरे

लेकिन वो मुझे गिराने में कई बार गिरे

सवाल जहर का नहीं था

सवाल जहर का नहीं थावो तो मैं पी गया

अरविंद जी के लिये

सवाल जहर का नहीं था वो तो मैं पी गया

उनको तकलीफ तब हुई फिर भी जब मैं जी गया।''

इन शब्दों के साथ अरविंद जी के लीडरशिप को सलाम करता हूं और परमात्मा आपको मेरी जिंदगी भी दे, इस हिंदुस्तान की समस्याओं का समाधान अरविंद जी आपके जरिये आयेगा बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, जय हिंद जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री ऋतुराज जी।

श्री ऋतुराज गोविंदः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे,

माननीय अध्यक्षः बहुत संक्षेप में रखिये ऋतुराज जी प्लीज।

श्री ऋतुराज गोविंदः संक्षेप में है, भारती जी ने ज्यादा समय ले लिया अब मुझे संक्षेप में कह रहे हैं। अध्यक्ष जी, हम लोग बचपन से सुनते आये हैं कि ठंडा मतलब कोको कोला होता है और इस देश में गंदी राजनीति का मतलब भारतीय जनता पार्टी होती है सर। अभी क्योंकि आपने मुझे कहा है संक्षेप में कहना है। दिल्ली के अंदर, देश के अंदर मोदी जी को 4-4 बार हराने का काम एक ही नेता ने किया है उसका नाम अरविंद केजरीवाल है। कैसे किया है, 2013 के विधान सभा चुनाव में किया, 2015 के विधान सभा चुनाव में किया, 2020 के विधान सभा चुनाव में किया, 2022 के निगम के चुनाव में किया और ऐसी ही स्थिति रहेगी तो 2024 भी दूर नहीं है। आप मुझे बताइये कि जो अपने आपको नरेंद्र नेपोलियन मोदी मानता हो, उसको कोई छोटा सा आदमी जो उसकी नजर में कुछ भी नहीं है वो 4-4 बार हरा दिया। जिस दिल्ली में मोदी जी रहते हैं वहां का निगम का चुनाव तक नहीं जीत पा रहे हैं, तो ये दर्द है। रात को सोते हैं तो नींद नहीं आती है और मुझे तो कुछ लोगों ने बताया है कि नींद की दवाई का भी असर नहीं होता है, इतनी छटपटाहट है, इतना दर्द है, इतना दर्द है कि मतलब हर चीज, हर हथकंडे, हर ष्टाड़यंत्र करने के लिए तैयार हैं। पूरा देश देख रहा है सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर क्या कहा है।

अब ऑपरेशन लोटस में जो ये 25-25 करोड़ रुपया जो ये कुलदीप भाई को, सबको जो ऑफर किया जा रहा है, वो आ कहां से रहा है, अब तो क्लीयर हो गया। एक्चुअली में चौथी पास राजा कोई नेता नहीं है, पूंजीपतियों का दलाल है जो सारा का सारा दलाली का पैसा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए, शेयर कंपनिज के जरिए ला रहा है और देश के अंदर में लोकतंत्र की हत्या करने का पूरा प्रयत्न कर रहा है। और कैसे कर रहा है? ऑपरेशन लोटस कर्नाटक में किया, ऑपरेशन लोटस मध्य प्रदेश में किया, ऑपरेशन लोटस महाराष्ट्र में किया, ऑपरेशन लोटस करने की कोशिश राजस्थान में करी, ऑपरेशन लोटस करने की कोशिश झारखंड में किया और ऑपरेशन लोटस करने की कोशिश पांच-पांच बार दिल्ली के अंदर में किया, जिसको खत्म करने का काम हमारे साथियों ने किया।

ये लोग कहते थे हेमंत विश्व शर्मा चोर है, पार्टी में आ गया तो मुख्यमंत्री हो गया। ये लोग कहते थे मुकुल राय चोर है, पार्टी में आ गया तो वो पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हो गया। शुभेन्दु अधिकार चिट-फंड घोटाला किया, आपकी पार्टी में आ गया तो बंगाल में लीडर ऑफ अपोजिशन हो गया। आपकी पार्टी में आ गया शिंदे और सिंधिया तो मंत्री हो गया, मुख्यमंत्री हो गया, सुखराम जो है, सर, बच गया। यही तो दिक्कत है, यही तो दर्द है शिंदे और सिंधिया ने किया खेल जिसको सिसोदिया ने किया फेल इसीलिए तो गया जेल। क्यूं? आपकी पार्टी में अशोक चव्हाण आ जायेंगे तो आदर्श स्कैम से वो आदर्श

व्यक्ति बन जायेंगे। छगन भुजबल आ जायेंगे तो उनका कागज गायब हो जाएगा। तो ये पूरा खेल देश देख रहा है, पूरा देश देख रहा है।

2013 में ऑपरेशन लोटस करने की कोशिश करी अध्यक्ष जी, 2015 में कोशिश करी, 2017 में करी, 2020 में करी, 21 में करी, 22 में करी, 23 में करी, 24 में कर रहे हैं। एक ही नेता से डर लगता है। किसी भी तरीके से इस केजरीवाल को जेल में डाल दो और यहां पर सरकार गिरा दो और उसकी कोशिश बार–बार, बार–बार करने की कोशिश हो रही है।

आजकल कहते हैं पीएमएलए करेंगे, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, अरे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट का अगर सही इस्तेमाल किया होता तो विजय माल्या देश का पैसा लेकर के विदेश नहीं भागा होता। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट का सही इस्तेमाल किया होता तो ललित मोदी, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी आज विदेश में बैठकर के ऐश नहीं कर रहे होते, देश का पैसा लूटकर के नहीं जाते, वो जेल में होते।

देश के अंदर में सबसे अच्छा शिक्षा पर काम करने वाला शिक्षा मंत्री को एक साल से जबरदस्ती आपने जेल में रखा हुआ है और कहते हो हमारे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को जेल में डालकर के हम लोगों को तोड़ोगे। अरे हम वो टूटने वाले लोग नहीं हैं, हम वो बिकने वाले लोग नहीं हैं, हम उस नेता अरविंद केजरीवाल जी के लिए अपनी जान दे सकते हैं, मर सकते हैं, मिट सकते हैं, कट सकते हैं।

हमारी औकात क्या थी, हम सब बिहार, उत्तर प्रदेश के, पूर्वांचल के छोटे-मोटे लोग थे, मेरे पिताजी टीचर थे, मैं छोटी-मोटी नौकरी किया करता था, हम जैसे बच्चों को उंगली पकड़कर चलाना सीखाया, राजनीति में लेकर के आया, सेवा का मतलब सिखाया हम लोगों को। एक दर्जन से ज्यादा पूर्वांचल के बेटे-बेटियों को इस विधान सभा का सदस्य बनाया। आज दिल्ली के अंदर में एक करोड़ से ज्यादा पूर्वांचल भाईयों को प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया, उनकी बुनियादी सुविधाओं को दुरूस्त करने का मौका दिया। हम मर सकते हैं, मिट सकते हैं पर बिक नहीं सकते हैं। तो ज्यादा नहीं कहते हुए मैं अरविंद केजरीवाल जी को इस सदन के माध्यम से ये आश्वस्त करना चाहता हूं, दुनिया की कोई ताकत हमें नहीं खरीद सकती है। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, दिल्ली विधान सभा में माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है इसकी आवश्यकता नहीं थी। मैं इसका विरोध करता हूं। हाउस में श्री अरविंद केजरीवाल जी मैजॉरिटी एन्जॉय करते हैं लेकिन दिल्ली की जनता में विश्वास खो बैठे हैं। दिल्ली सरकार के ऊपर अनेक गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। सरकार हर मोर्चे पर किल रही है इसीलिए आज ये खेल किया जा रहा है और दिल्ली की जनता का भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने के लिए इसकी आवश्यकता दिल्ली की सरकार को पड़ी है।

जहां तक भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदने की बात है या जो खरीद-फरोख्त के जो आरोप दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री- श्री अरविंद केजरीवाल जी की ओर से और दिल्ली की माननीय मंत्री- श्रीमती आतिशी जी की ओर से जो लगाये गये हैं, हमने दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से आग्रह किया कि इन आरोपों की जांच की जाए और यदि आरोपों में सच्चाई है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री जी और दिल्ली की माननीय मंत्री- श्रीमती आतिशी जी दिल्ली पुलिस को सहयोग नहीं कर रहे हैं, मैं इस सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा कि जांच में सहयोग करें।

आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में शराब घोटाला हुआ, दिल्ली के फॉर्मर डिप्टी चीफ मिनिस्टर को जेल जाना पड़ा। दिल्ली के एक राज्य सभा के मेम्बर को जेल जाना पड़ा। नई शराब नीति में ये भी कहा गया कि नई शराब नीति के आ जाने के बाद दिल्ली सरकार की आय बढ़ेगी। नई शराब नीति से तो दिल्ली सरकार के खजाने को घाटा हुआ। शराब के ठेकेदारों का कमिशन 2 परसेंट से बढ़ाकर 5 परसेंट, 5 परसेंट से बढ़ाकर 12 परसेंट। मास्टर प्लान का वायलेशन करके, सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइंस का वायलेशन करके रिहायशी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर शराब के ठेके खोलकर दिल्ली के युवाओं को बर्बाद करने की कोशिश हुई उसका हमने जमकर विरोध किया। आज मैं पूछना चाहता हूं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से कि यदि ये शराब नीति इतनी

अच्छी थी तो आपने इस नई शराब नीति को वापस क्यूं लिया, इसका जवाब आज इस हाउस में देना चाहिए। और सरकार के खजाने में जितना पैसा आना चाहिए था वो आया नहीं, सरकार को भी घाटा झेलना पड़ा, उस पर भी आज हम आदरणीय मुख्यमंत्री जी का स्पष्टीकरण चाहेंगे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली जल बोर्ड में अनेक घोटाले हुए हैं। जांच हो रही है, कुछ अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई है। आखिर मैं पूछना चाहता हूं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से उनकी सरकार आने से पहले दिल्ली जल बोर्ड 6 सौ करोड़ रुपये के मुनाफे में था, आज 73 हजार करोड़ से ज्यादा के घाटे में दिल्ली जल बोर्ड चल रहा है। मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं, अभी हाल ही में कुछ अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई है, ये जो फ्लो मीटर्स की जो खरीद हुई उसमें ऊंचे दाम दिये गये, उस पर भी जरूर अपना स्पष्टीकरण दें क्योंकि ये घोटाला उसी समय हुआ था जब श्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन थे।

मैं आज आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि श्री अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने ये फैसला लिया कि दिल्ली जल बोर्ड में जो पानी के उपभोक्ता हैं यदि वे अपना पानी का बिल बाई कैश या बाई चेक जमा करना चाहते हैं तो ये काम एक एजेंसी को दिया गया, जो पैसा उस एजेंसी के पास आया, शर्त ये थी कि उसको उसी दिन या अगले दिन दिल्ली जल बोर्ड के पास जमा

करना था। वो पैसा फर्जी खातों में चला गया, उसके बाद उस एजेंसी को एक साल की और एक्सटेंशन दे दी। उस एजेंसी का कमिशन 5 परसेंट से बढ़ाकर 6 परसेंट कर दिया तो इस पर भी मैं आज सरकार का स्पष्टीकरण चाहूंगा।

आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली जल बोर्ड में 500 करोड़ रुपये का जो नया घोटाला हुआ है जिसकी जांच शुरू हो गई है, in award of work of upgradation of sewage treatment plants उसकी जांच भी शुरू हो गई है। अच्छी बात है कि आज इस पर भी सरकार अपना स्पष्टीकरण दे।

आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में बिजली घोटाला भी हुआ है। दिल्ली सरकार ने बिजली कंपनियों से 21 हजार 250 करोड़ रुपये लेने थे लेकिन सरकार ने 11 हजार 550 करोड़ रुपये में ही सेटलमेंट कर लिया, इस सेटलमेंट का कोई ऑडिट नहीं कराया गया। दिल्ली सरकार ने कहा था कि बिजली कंपनियों का हर साल सीएजी ऑडिट कराया जायेगा लेकिन ऐसा नहीं किया गया। बिजली कंपनियों को लेट पेमेंट सरचार्ज के रूप में जनता से 18 फीसदी लेने की अनुमति दे दी गई लेकिन सरकार ने बिजली कंपनियों से बकाया पर–एलपीसी 12 फीसदी ही लेने का फैसला किया, इस प्रकार इन कंपनियों को 8 हजार करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाया गया, इसकी जांच हो रही है। मैं मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि आखिर 8 हजार करोड़ रुपया इन बिजली कंपनियों की ओर क्यूं छोड़ा गया?

आदरणीय अध्यक्ष जी, हेल्थ घोटाला हुआ है। नकली दवाइयां बेची जा रही है। मोहल्ला क्लिनिकों में लैब जांच में फर्जीवाडा, दिल्ली सरकार की जो एंटी करप्शन ब्रांच है उसने ये पाया है कि 65 हजार से ज्यादा टेस्ट फर्जी पाये गये हैं। आखिर इस पर सरकार क्या कहना चाहती है, मैं जरूर सरकार से इस पर जवाब चाहूंगा।

डीटीसी में घोटाला हुआ है। दिल्ली की जो एंटी करप्शन ब्रांच है उसने दिल्ली के उप-राज्यपाल से एफआईआर दर्ज की जाए ये मांग की थी, ये आग्रह किया था लेकिन एफआईआर की अनुमति नहीं मिली और दिल्ली के उस समय के ऑनरेबल लेफ्टिनेंट गवर्नर ने इस घोटाले की जांच सीबीआई को दी है, ये भी सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, पैनिक बटन घोटाला। एंटी करप्शन ब्रांच ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए वाहनों में लगाये गये पैनिक बटन खिलौना साबित हुए हैं और एंटी करप्शन ब्यूरो आगे क्या कहती है कि ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि परियोजना पूरी तरह से किल होने से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। दिल्ली में डीटीसी की बसों से, प्राइवेट ऑपरेटर्स से और टैक्सी वालों से सैकड़ों करोड़ रुपया पैनिक बटन के नाम पर वसुला गया है लेकिन पैनिक बटन जो है केवल 15-20 रुपये एक प्लास्टिक का बटन है, आखिर वो योजना पूरी तरह से किल हो गई है।..

माननीय अध्यक्ष: कंकलूड करिये बिधूड़ी प्लीज।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मुझे आपने.. टाइम तो देंगे न लीडर ऑफ अपोजिशन को।

माननीय अध्यक्षः 12 मिनट हो गये हैं।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः नहीं, ये..

माननीय अध्यक्षः नहीं, अब आप कंकलूड करिये अब।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का घोटाला हुआ है उनके रजिस्ट्रेशन के नाम पर, लाखों फर्जी रजिस्ट्रेशन हुए हैं। और आदरणीय अध्यक्ष जी, राशन घोटाला भी हुआ है,

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः भई विनय जी प्लीज।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः कोरोना काल में..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः राजेश जी, प्लीज, समय बर्बाद होगा।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः जोघटिया राशन खरीदा गया अभी भी वो गोदामों में पड़ा हुआ है उसकी जांच तो होगी ही होगी। दिल्ली सरकार ने फीडबैक यूनिट बनाई और जासूसी का काम शुरू कराया कानून का उल्लंघन करके, इसकी भी जांच हो रही है, इस पर दिल्ली

के ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर क्या कहना चाहते हैं, मैं जरूर उनसे उम्मीद करूंगा।

आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए एक अच्छा घर होना चाहिए, मैं इससे सहमत हूं। लेकिन आज सवाल ये है, मैं दिल्ली के ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर से पूछना चाहता हूं कि जो पुराना घर तोड़ा गया उसके स्थान पर नया घर बनाया गया जिसके ऊपर 53 करोड़ रुपये खर्च हुए तो नये घर बनाने के लिए उसका नक्शा क्यूं नहीं पास करवाया गया? मैं पूछना चाहता हूं कि जो 53 करोड़ रुपये का काम हुआ उसके टेंडर कॉल क्यूं किये गये, वर्क कैसे अवार्ड कर दिया गया 4 ठेकेदारों को? 21 फ्लैट्स तोड़ दिये गये, किसकी अनुमति से तोड़े गये, और उन 21 फ्लैट्स के स्थान पर फिर 6-6 करोड़ रुपये के नए फ्लैट्स खरीदे गये। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री निवास के ऊपर लगभग 179 करोड़ रुपया खर्चा हुआ तो मुख्यमंत्री जी से इतना ही पूछना चाहते हैं कि जो नियमों का उल्लंघन हुआ है उस पर मुख्यमंत्री जी क्या कहना चाहते हैं।

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, अब..

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः पीडब्लूडी के अधिकारियों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्रांच में उनके खिलाफ एफआईआर हो गई है,..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, अब कंकलूड करिये, प्लीज, हो गया।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अध्यक्ष जी, मैं खत्म कर रहा हूं। मुझे, दो मिनट में मैं अपनी बात को खत्म कर रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः नहीं, एक मिनट में करिये अब।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः एक लीडर ऑफ अपोजिशन को इतना तो मत करो, ये तो कहीं भी नहीं होता है।

माननीय अध्यक्षः नहीं, समय दिया है, पूरा समय दिया है आपको। सारी बातें रखी हैं आपने।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः कहीं नहीं होता है ये।

माननीय अध्यक्षः करिये, करिये, जल्दी करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैं एक बात जरूर पूछना चाहता हूं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से कि यदि दिल्ली में एक्साइज घोटाला हुआ है, घोटालेबाजों को बचाने के लिए श्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले 18 महीनों में वकीलों के ऊपर 28 करोड़ रुपया खर्च किया है और 21 करोड़ 25 लाख रुपया आबकारी घोटाले से जुड़े मामलों में वकीलों को भुगतान किया गया है। ये दिल्ली के लोगों का टैक्सपेयर्स का पैसा है और..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद,

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः देखिये अब ये, मैंने कभी किसी को डिस्टर्ब नहीं किया।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः भई ये, ये चीज उचित नहीं है। उन्होंने बोल दिया, उन्होंने बोल दिया, मंत्री जी..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, अब कंकलूड करिये, प्लीज कंकलूड करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अंत में मैं, बड़ी शेरो-शायरी हुई है, मैं यही कहूंगा आम आदमी पार्टी के ऑनरेबल एमएलएेज से, किसी ने कहाः

''तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां क्यूं लुटा,

मैं बताऊं कि कारवां क्यूं लुटा,

तेरा था रहबरों से वास्ता,

मुझे रहजनों से गिला नहीं,

अरविंद केजरीवाल जी आपकी रहबरी का सवाल है।''

किसी ने कहा कि, जो आया है वो जायेगा,.. मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं अध्यक्ष जी,

न राजा रहा, न राजा रहा है, न रानी रहेगी,

ये दुनिया है फानी और फानी रहेगी,

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः चलिए-चलिए, आप करिये, बात पूरी करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः

''ना राजा रहा है न रानी रहेगी

ये दुनिया है फानी और फानी रहेगी,

जब न किसी की जिंदगानी रहेगी

माटी सबकी कहानी कहेगी'',

आप मुझे डिस्टर्ब कर रहे हो।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः चलिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

....व्यवधान....

माननीय नेता प्रतिपक्षः 62 पर अरे 62 पर बिधूड़ी भारी पड़ा है, 62 पर बिधूड़ी भारी पड़ा है,

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः इस बात को समझ लीजिए। मैंने आपको किसी को भी जब आप बोल रहे थे, मैंने किसी को डिस्टर्ब नहीं किया इंटरप्ट नहीं किया।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी अब बैठिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अगर आज श्री अरविंद केजरीवाल की सरकार के ऊपर जो दर्जनों भ्रष्टाचार के घोटाले हैं, हजारों करोड़ रुपये के घोटाले हुए हैं आज दिल्ली के मुख्यमंत्री को इस हाउस में जवाब देना पड़ेगा। ये सरकार भ्रष्ट है, ये सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी अब बैठिये। प्लीज, बिधूड़ी जी अब हो गया न आपका विषय।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, मैं प्रार्थना कर रहा हूं विषय हो गया। ये..

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः नहीं आप बताईये बीच-बीच में मैंने किसी को डिस्टर्ब नहीं किया।

माननीय अध्यक्षः किसी को नहीं, मैंने डिस्टर्ब नहीं..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः ये तो लास्ट में हुआ है थोड़ा एक मिनट बस। बहुत शांति से, बहुत शांति से आपकी बात सदन ने सुनी है।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः अरे आम आदमी पार्टी के 62 विधायकों पर भारी पड़ा है बिधूड़ी, ये समझ लो।

माननीय अध्यक्षः ठीक है मान लिया मैंने।

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः ये नोट कर लो।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बैठिए। श्री राजेश गुप्ता जी जल्दी चलिए, बात शुरु करिये।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी,..

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का सिपाही हूं,

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः ये बात नोट कर लेना जो दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता है..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बैठिए।

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैं उसका सिपाही हूं मैं आपके दबाने से दबने वाला नहीं हूं।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी बैठिये अब।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैंने अपनी बात को शानदार तरीके से मर्यादा में रहकर... आप मेरी आवाज को बंद नहीं कर सकते हैं मैं इस.

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी अब ये, अब बैठिये प्लीज हो गया।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः नहीं हो गया आपकी सारी बात सुनी हैं। एक-एक बात आपकी शांतिपूर्वक सुनी है बैठिये।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अब बिधूड़ी जी मेरी प्रार्थना है आप बैठिये। अब अपने आरोपों का उत्तर सुन लीजिए एक बार बैठकर शांति से प्लीज। राजेश जी शुरु कीजिए आप।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष जी, आपने मुझे एक ऐसे विषय पर बोलने का मौका दिया जो बहुत ही गंभीर है। देश के प्रजातंत्र के लिए इससे खतरनाक बात हो ही नहीं सकती की या तो सरकार बनने ही न दो और बन जाए तो उसे तोड़ लो, खरीद लो, खत्म कर दो। बहुत सारे घोटालों का चक्र बिधूड़ी जी ने कहा लेकिन एक घोटाला तो जरूर हुआ है वो है नेता विपक्ष घोटाला क्योंकि 8 आदमी इनके थे 7 बाहर हैं इनको अकेले को क्यों छोड़ दिया, तो घोटाला तो कुछ न कुछ है, सोचिएगा।

माननीय अध्यक्षः राजेश जी दो मिनट में पूरा करिये प्लीज।

श्री राजेश गुप्ताः दो मिनट में ही बोल लेता हूं आप यकीन मानिएगा दो से ऊपर नहीं होंगे। देखिये, ये बार-बार बात आ रही थी कि इन्होंने कहा कमिश्नर साहब से कहा कि इनको सबूत चाहिए मैं आपके सामने खड़े होकर कह रहा हूं मुझसे बात करी गई, मुझको ऑफर करे गये वो पैसे कि आप ये पैसे ले लीजिए, मंत्री पद ले

लीजिए और आप इस तरफ को आ जाईये और जो विधायक आपके साथ में हैं उनसे भी बात कीजिए और उनको यहां ले आईये। ये करते कैसे हैं ऐसा? ये हमारे ही किसी लोग को ढूंढ़ते हैं, हमारे ही किसी कार्यकर्त्ता के माध्यम आते हैं, रिश्तेदार बनकर आते हैं, दोस्त बनकर आते हैं, घरों में आते हैं, पार्कों में आते हैं फिर हमको समझाते हैं आपसे अच्छा विधायक कोई नहीं है आप तो सुबह 5 बचे साईकिल चला रहे हो, आप तो मंदिरों में जा रहे हो, आपकी हमारी विचारधारा एक है और ये मेरे साथ नहीं ये सभी विधायकों से ऐसी ही बातें करते हैं। अब इनका सबूत कैसे बनाया जाए साहब। अगर बिधूड़ी जी मुझे अभी ऑफर करें बाहर खाते हुए या मैं बिधूड़ी जी को आफर करूं अभी कि बिधूड़ी जी इधर आ जाईये, हम आपको सांसद लड़वा देंगे तो क्या ये आप मेरा स्टिंग कर पाओगे, आप मेरी रिकार्डिंग करोगे, कैसे उसको सबूत बनाकर आपको दिया जाए बताओ और हमने आपको सबूत दिया, 2014 में दिया था सर। आपकी पार्टी के उपाध्यक्ष हमारे विधायक के साथ में बैठकर पैसे ऑफर कर रहे थे 4 करोड़ रुपये ले लो और हमारी तरफ आ जाओ। दिया था, नहीं दिया था? क्या करा पुलिस ने और क्या करा आपकी पार्टी ने उसके खिलाफ बताईये? कुछ नहीं करा था, सबूत दिया था, सबूत दोबारा देंगे समय आने दीजिए। मैं आपसे फिर कह रहा हूं ऑफर करा गया, मैं आपके सामने खड़ा हुआ हूं और आप सबको करते हो घुमा-फिरा के, कुछ लोग हंसी-ठठ्ठे में ले जाते हैं, कुछ लोग मजाक कर लेते हैं क्योंकि आप देखते हो कि वो क्या कह रहा है, आपकी पार्टी के बारे में उसके क्या विचार हैं

लेकिन इन 62 की गारंटी मैं आपको दे देता हूं। ये 'गारंटी' शब्द जब मोदी जी बोल रहे हैं वो 'गारंटी' शब्द अरविंद केजरीवाल जी का दिया हुआ है। मैं देता हूं आपको गारंटी इन 62 की क्योंकि ये 62 कौन हैं, कौन जानता था इन 62 को सर? हम जब उस आंदोलन में गये न सर, तो पीछे खड़े हो जाते थे क्योंकि बहुत बड़े-बड़े नाम थे उसके अंदर, हम तो पीछे खड़े थे। आरटीआई के जनक कह लो अरविंद केजरीवाल जी, एक से एक लोग उसके अंदर थे मैं क्या नाम लूं आप भी जानते हैं। कुछ तो आपने ही भेजे हुए थे याद होगा लेकिन हम पीछे खड़े थे। मैंने कहा क्या करें हमारे पास कुछ करने को नहीं था। तो जो लोग वहां पर चाय पीकर कप फेंक देते थे, पानी पीकर फेंक देते थे, हम लड़कों ने एक टीम बनाई, हम उसे साफ करते थे। हमारे को 7 जन्मों में नहीं था कि हम कभी विधायक बनेंगे, मंत्री बन जाएंगे। देखिये इन चेहरों को हम आपके पोते की उम्र के हैं, 10 साल पहले विधायक बन गये थे। आपकी पार्टी में दरी उठाते-उठाते मेरी जिंदगी निकल जाती आप मंडल का अध्यक्ष नहीं बनने देते मुझे इनकी गारंटी हम आपको दिये देते हैं, आप कुछ भी कर लेना, सर कुछ भी।

माननीय अध्यक्षः राजेश जी कंकल्यूड करिये प्लीज।

श्री राजेश गुप्ताः कोई नहीं जाएगा यहीं रहेंगे बल्कि मैं गारंटी दे रहा हूं अगर आपको किसी को लेना है न अरविंद केजरीवाल जी को ले लो लेकिन लेने के लिए मोहल्ला क्लीनिक की बात करो, हास्पिटल की बात करो, फ्री दवाईयों की बात करो, शिक्षा की बात करो, गरीब

की बात करो, 25 करोड़ की बात मत करो। 25 करोड़ तो छोड़ो 25 हजार करोड़ या जो कुछ भी दे दोगे, नहीं जाएंगे, नहीं जाएंगे, नहीं जाएंगे, मर सकते हैं नहीं जाएंगे इस बात को आप समझ लो। आपने सर बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद 25 करोड़ का ब्याज इनको वापस दे देंगे, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी चर्चा का उत्तर देंगे।

माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): अध्यक्ष महोदय, इस हाउस में हमारी मिजोरिटी है और आज ये विश्वास प्रस्ताव कान्फिडेंस मोशन लाने की क्या जरूरत पड़ी वो संक्षेप में कल मैंने बताया था ये प्रस्ताव रखते हुए कि हमारे मेरे पास दो एमएलऐज आए जिन्होंने कहा जी ये बीजेपी वाले आए थे और हमें अप्रोच कर रहे थे की केजरीवाल अब गिरफ्तार होने वाला है उसके बाद हम इनकी सरकार गिरा देंगे आम आदमी पार्टी की, सारे एमएलए तोड़ लेंगे, 21 हमारे संपर्क में हैं, औरों से भी बात चल रही है तुम भी आ जाओ 25 करोड़ भी देंगे और जो मांगोगे और भी दे देंगे, तुमको चुनाव भी लड़ा देंगे। फिर हमने सारे एमएलऐज से संपर्क किया तो पता चला 21 तो नहीं इन्होंने 7 एमएलऐज से संपर्क किया था। आज उनमें से कई एमएलऐज ने इस हाउस के अंदर अपनी-अपनी दास्तान सुनाई है और बताया है कि उनको एप्रोच किया गया था। जैसा अभी मेरे भाई राजेश ने बताया, राजेश गुप्ता जी ने कि ये कहते हैं सबूत दो, कैसे सबूत दें, किस चीज का सबूत

दें। कभी किसी रिश्तेदार के जरिए आ जाते हैं, कभी किसी दोस्त के जरिए आ जाते हैं आकर कहते हैं जी आ जाओ हमारे साथ अमित शाह से मिलवा देंगे फ्लाना कर देंगे। आदमी कोई टेपरिकार्डर जेब में लेकर थोड़े ही घूमता है कि कोई आएगा और मैं उसको टेप कर लूंगा, किस चीज का सबूत दें। तो मैं एक तो ये कहना चाहता हूं ये बड़े दिनों से इनको यह लग रहा है कि केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे और पार्टी खत्म हो जाएगी। केजरीवाल को तो गिरफ्तार कर लोगे केजरीवाल की सोच को कैसे गिरफ्तार कर लोगे और एक केजरीवाल को गिरफ्तार कर लोगे मेरे भारत मां की कोख से एक लाख केजरीवाल पैदा हो जाएंगे। आज जिस तरह से इन्होंने आम आदमी पार्टी पर हमला बोला हुआ है, इतने हमारे नेता गिरफ्तार कर लिए, हमारा सारा काम रोकने की कोशिश कर रहे हैं, धमकियां दे रहे हैं, ये कर रहे हैं, वो कर रहे हैं, सब तरफ से चारों तरफ से हमले ही हमले हमारे ऊपर किये जा रहे हैं। देश का एक-एक बच्चा देख रहा है कि हो क्या रहा है ये। सारे लोग देख रहे हैं, इनको लगता है लोग बेवकूफ हैं, लोग बेवकूफ नहीं हैं। अब पार्कों के अंदर चर्चा होने लगी है कि ये चल क्या रहा है। तो लोग एक प्रश्न पूछने लगे हैं क्या मोदी जी केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं। क्या मोदी जी केजरीवाल को क्रश करना चाहते हैं, क्या मोदी जी केजरीवाल को कुचलना चाहते हैं, ये मैं नहीं पूछ रहा देश का बच्चा-बच्चा अब पूछने लगा है जिस तरह का अटैक आम आदमी पार्टी, क्योंकि इतने सारे हमारे नेता गिरफ्तार कर लिये, कभी भारत क्या दुनिया के इतिहास में हमारा नंबर टू भी अंदर है, नंबर

श्री भी अंदर है, नंबर ोर भी अंदर है अब कह रहे हैं नंबर वन को भी अंदर डालेंगे। तो इस तरह का आक्रमण कभी नहीं देखा गया। तो ये चर्चा चल रही है ये क्यों हो रहा है क्योंकि आज पूरे देश के अंदर बीजेपी का सबसे बड़ा चैलेंजर आम आदमी पार्टी है। आज अगर बीजेपी को खतरा है, भविष्य का खतरा है तो केवल और केवल आम आदमी पार्टी से खतरा है इसीलिए बीजेपी येन–केन–प्रकारेण जो मर्जी करके आम आदमी पार्टी को कुचलना चाहती है और आज पूरी जिम्मेदारी के साथ मैं कहना चाहता हूं इसमें कोई अहंकार नहीं है कि 2024 के अंदर बीजेपी अगर नहीं हारी लोकसभा चुनाव तो 2029 के अंदर आम आदमी पार्टी इस देश को बीजेपी से मुक्ति दिलाएगी। अध्यक्ष महोदय, ये कोई छोटी बात नहीं है एक छोटी सी पार्टी 12 साल का बच्चा है 12 साल पहले ये पार्टी बनी थी एक 12 साल का छोटा सा बच्चा है ये पार्टी, इस 12 साल के बच्चे ने इतनी बड़ी–बड़ी पार्टियों को चने चबवा दिये। इस देश के अंदर साढ़े तेरह सौ पार्टियां रजिस्टर्ड हैं, साढ़े तेरह सौ उन्हीं में से एक पार्टी आम आदमी पार्टी थी जब हमारी पार्टी 26 नवंबर 2012 को रजिस्टर्ड की गई थी, रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई किया था हम लोगों ने। 2012, 26 नवंबर आम आदमी पार्टी का रजिस्ट्रेशन आज से 12 साल पहले अप्लाई किया गया था। मात्र 10 साल के अंदर आज तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है पूरे देश के अंदर बीजेपी और कांग्रेस के बाद। एक एमएलए बनने के लिए लोगों की चप्पल घिस जाती है, पूरी जिंदगी बीत जाती है एक एमएलए बनने के लिए, एक काउंसिलर बनने के लिए। ये कोई इत्तेफाक नहीं है कि ये पार्टी इतने

कम समय के अंदर आज दो राज्यों के अंदर हमारी फुल फलेजेड सरकार है। बहुमत, भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक बहुमत के साथ सरकार है। दिल्ली के अंदर 70 में से 67 सीट इतिहास में कभी नहीं आई। पंजाब के अंदर 117 में से 92 सीट पंजाब के इतिहास में कभी नहीं आई। गुजरात के अंदर पहली बार चुनाव लड़े, पहली बार के अंदर हमारे 14 प्रतिशत वोट और 5 एमएलए आ गये। गोवा के अंदर पहली बार चुनाव लड़े और गोवा के अंदर हमारे आज 2 एमएलए हैं, ये कोई छोटी बात नहीं है। इतनी छोटी सी पार्टी और इतना बड़ा और चंडीगढ़ के अंदर तो आपने देखा हमारा मेयर इन्होंने किस तरह से छीन लिया इन लोगों ने। तो ये कोई छोटी बात नहीं है और मात्र 12 साल के बाद आज नेशनल पार्टी बन गई। तो आज इनको भविष्य का खतरा और डर केवल और केवल आम आदमी पार्टी से है और ये भी जानते हैं और फिर मैं दोहरा रहा हूं कि अगर ये 2024 में जीत जाते हैं तो 2029 में इस देश को बीजेपी से मुक्ति आम आदमी पार्टी दिला सकती है। कुछ लोग ये भी कहते हैं जब चर्चा करते हैं लोगों के साथ लोगों में, मैं तो ये बता रहा हूं, ये मेरी भावनाएं नहीं हैं ये लोगों की जनता के अंदर जो चर्चा चल रही है। कुछ लोगों का ये भी कि आम आदमी पार्टी के पीछे इसलिए पड़ रहे हैं क्योंकि ये दिल्ली की हार को पचा नहीं पा रहे हैं। याद करो 2014 में मई के महीने में क्या जबरदस्त बहुमत लेकर मोदी जी आए थे, क्या जबरदस्त, उसके बाद हरियाणा जीत गये, महाराष्ट्र जीत गये एक अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा चला था, ऐसे लग रहा था जैसे इस घोड़े को कोई नहीं रोक पाएगा और फिर जब

2015 में ये घोड़ा दिल्ली पहुंचा तो दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने इसको रोक लिया और केवल रोका-रोका नहीं 70 में से 67 सीट बीजेपी केवल 3 पर सिमट गई। तो लोगों का क्या कहना है कि तब से इन लोगों ने ठान लिया कि इस पार्टी को तो नहीं छोड़ना, इस पार्टी को तो कुचलना है किसी भी तरह से और फिर अक्सर देखा गया इस तरह की नई पार्टियां आती हैं, आंदोलन से निकलती है बनती हैं और फिर एक ही चुनाव में खत्म हो जाती हैं। इनको पूरी उम्मीद थी कि एक चुनाव के बाद हम इतना इनको तंग करेंगे, आने के बाद इन्होंने बहुत तंग किया हमें काम नहीं करने दिया इन लोगों ने, लेकिन 5 साल के बाद इनको उम्मीद थी चलो 2015 तो जीत गये 2020 में इनकी सरकार नहीं बनने देंगे। फिर 2020 के अंदर 70 में से 62 सीट ये 8 सीटों में सिमट गये। 2019 में इतने भारी 303 सीट लेकर लोकसभा में जीते लेकिन उसके बाद दिल्ली के अंदर आकर हार गये। तो इनको ये दिल्ली की हार पच नहीं रही। इन्होंने हमें रोकने के लिए क्या नहीं किया, सब कुछ किया। इन्होंने हमें रोकने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन जो हमारी असली चीज थी वो थे हमारे काम, सबसे बड़ी तकलीफ इनको किस बात की है कि जो काम हम लोग कर रहे हैं इनके पास उसकी काट नहीं है। जो काम हम लोग कर रहे हैं ये वो काम नहीं कर सकते। हमने क्या-क्या काम किये, पहले हमारी दिल्ली में सरकार थी अब पंजाब में सबसे बड़ा काम किया दिल्ली में और पंजाब में दोनों जगह बिजली फ्री हो गई और बिजली 24 घंटे हो गई। मैं आज बीजेपी को चैलेंज करता हूं 30 साल से गुजरात के अंदर तुम्हारी सरकार है, 15

साल से मध्य प्रदेश में तुम्हारी सरकार है, 10 साल से उत्तर प्रदेश के अंदर तुम्हारी सरकार है एक राज्य के अंदर बिजली फ्री करके दिखा दो तुम, बिजली 24 घंटे करके दिखा दो एक राज्य के अंदर, इतने बड़े-बड़े पावर कट लगते हैं गुजरात के अंदर, मध्य प्रदेश के अंदर, पंजाब के अंदर एक साल में जीरो पावरकट हो गया, दिल्ली के अंदर जीरो पावरकट 24 घंटे बिजली आती है, फ्री बिजली आती है। तुमसे न 24 घंटे बिजली आती तुम्हारे राज्यों में, न फ्री बिजली आती है, इतनी महंगी बिजली आती है, इतने पैसे लेते हो जनता से। दिल्ली के अंदर हमने किया और अब पंजाब में कर रहे हैं शानदार स्कूल बना दिये, सरकारी स्कूलों की कायापलट हो गई, पूरी दुनिया से लोग देखने के लिए आ रहे हैं, पूरी दुनिया के अंदर आज शिक्षा के लिए जाना जाता है दिल्ली को कि स्कूल बड़े अच्छे हो गये, शानदार शिक्षा, हैप्पीनेस करिकुलम, अमरीका के राष्ट्रपति की बीवी हमारा हैप्पीनेस करिकुलम की क्लास अटैंड करके जाती है। दिल्ली ने देश का नाम पूरी दुनिया के अंदर रोशन किया है और इनके स्कूलों को उठाकर देख लो गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के स्कूलों को उठाकर देख लो क्या हालत बना रखी है। उनके अंदर जानवर घूम रहे हैं, दीवारें टूटी पड़ी हैं, कितने गरीबों के बच्चों का भविष्य जो है इन्होंने अंधकार में डाला हुआ है। मैं चैलेंज करता हूं बीजेपी को कि इतने सारे स्कूल तो छोड़ो 10 स्कूल तुम अपने गुजरात में, मैं तो इतना घूमा गुजरात में चुनाव प्रचार में एक स्कूल नहीं मिलता था जो इन्होंने ठीक करा हो। 30 साल के अंदर तुमसे एक स्कूल ठीक नहीं हुआ, ये काम तुम नहीं कर सकते इसलिए

इनको तकलीफ है। हमने दिल्ली में अस्पताल इतने बना दिये, सबका इलाज मुफ्त कर दिया, अस्पताल बना दिये सबका इलाज मुफ्त कर दिया। मोहल्ला क्लीनिक बना दिये जिसमें गली–गली के अंदर लोगों को इलाज मिलने लगा। तुम भी कुछ अच्छे, तुम लंबी लकीर तो खींचकर दिखाओ यार, तुम कुछ अच्छा काम तो करके दिखाओ। हमने बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा कर दी, इतना आर्शीवाद देते हैं, इतना आर्शीवाद देते हैं बुजुर्ग हमको और ये सारे काम पंजाब में भी हो रहे हैं। पंजाब में दिल्ली से ज्यादा मोहल्ला क्लीनिक, दिल्ली में तो 540 मोहल्ला क्लीनिक बने हैं पंजाब में 800 से ज्यादा मोहल्ला क्लीनिक एक साल के अंदर बन गये। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा कर दी। इन्होंने इतना विरोध किया लेकिन सारी महिलाएं तो हमारे साथ ही हैं। दिल्ली के अंदर पानी कोने–कोने के अंदर पहुंचा दिया, घरों में पानी नहीं आता कोने–कोने के अंदर पहुंचा दिया, पानी फ्री कर दिया, कच्ची कालोनियों को लेकर इन्होंने सबसे ज्यादा राजनीति की, अगर काम किया तो हमने किया। दिल्ली की कच्ची कालोनियों के अंदर सड़क बनाने का, पानी की लाइनें बिछाने का, हमने सीवर की लाइनें बिछाने का हमने काम किया है। पंजाब अभी 2 साल हुए हैं हमें आए हुए पंजाब के अंदर इस वक्त एक बहुत बड़ी क्रांति आ रही है, गांव–गांव के अंदर इरिगेशन सिंचाई का पानी पहुंच गया, गांव–गांव के अंदर जहां पहले पानी नहीं मिलता था अब गांव–गांव के अंदर सिंचाई का पानी पहुंच गया। हमसे सीख लो, हमें सारे काम करने आते हैं। हमसे भी नहीं सीखोगे और काम भी नहीं करने दोगे। अभी door step delivery of free services जो आपको

दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है आप फोन करो और आपके घर आकर सरकार काम करेगी दिल्ली में भी लागू हो गया पंजाब में भी लागू हो गया। इन्होंने दिल्ली के अंदर हमें door step delivery of ration नहीं करने दी घर-घर हम राशन पहुंचाना चाहते थे इन्होंने दिल्ली में नहीं करने दी, हमने पंजाब में जाकर लागू कर दी अभी 10 दिन पहले मैं उद्घाटन करके आया हूं पंजाब में। हम लोग व्यवस्था बदल रहे हैं, बहुत बड़ा काम कर रहे हैं और अब मैं आपको बताता हूं जो एक दर्दनाक कहानी है कि इन लोगों ने किस तरह से ये सारे काम रोके जब इन्होंने देखा कि जो काम केजरीवाल कर रहा है ये काम तो हमसे होते नहीं, न हमसे स्कूल बनते, न हमसे अस्पताल बनते, न हमसे बिजली का काम होता, न हमसे पानी का काम होता, न हमसे सिंचाई का काम होता, न हमसे दलाल खत्म और न हमारी इच्छा। अभी तो पैसे कमाने हैं इन्होंने। तो ये जब इन्होंने देखा ये काम नहीं तो इन्होंने काम रोकने का काम किया। बड़े दर्द के साथ आज मेरे को कहना पड़ रहा है कि पिछले साल इन्होंने किस तरह से दिल्ली के अस्पतालों के अंदर दवाईयों को रोकने का काम किया। अस्पतालों के अंदर गरीब आदमी अपना ईलाज कराने के लिए आता है, अस्पतालों के अंदर बेबस आदमी जिसके पास पैसा नहीं होता है, जो अमीरों के अस्पताल में फाइव स्टार अस्पताल में ईलाज नहीं करा सकता वो कराने के लिए आता है। हमने अस्प्ताल बदले थे, अस्पताल शानदार बना दिये, सारी दवाईयों का सबका इंतजाम किया, इन्होंने अफसरों के ऊपर, उनके हाथ मरोड़कर उनसे दवाईयां बंद करा दी इन्होंने। इन्होंने टैस्ट बंद करा दिये,

मोहल्ला क्लीनिक में तीन महीने तक पिछले साल मोहल्ला क्लीनिक में टैस्ट नहीं हो पाए, इन्होंने पेमेंट रोक दी लेबोरेटरीज की, इतने गंदे और इतने घटिया हैं ये लोग। कोई रोकता है क्या? कहते हैं रामभक्त हैं। भगवान राम ने कभी नहीं कहा था कि गरीबों की दवाइयां रोको, गरीबों के पाप लगेगा तुम लोगों को। पता नहीं किस मिट्टी के बने हैं पाप लगेगा आपको बिधूड़ी जी आपकी पार्टी ने जो ये काम किया दवाइयां रोकने का और टैस्ट रोकने का और सारे अस्पतालों का ईलाज रोकने का, गंदी बात है ये। बता के जाना आप भी रुक जाओ बता के जाना अपनी पार्टी वालों को क्यों किया उन लोगों ने। दुश्मनी मेरे से है, दुश्मनी केजरीवाल से है दिल्ली के दो करोड़ लोगों से क्यों बदला ले रहे हो तुम लोग। एक वो एमटीएस थे डेटा एंट्री ऑपरेटर ओपीडी काउंटर पर जब आप, बैठ जाओ, बैठ जाओ मैं आज सारे जवाब दूंगा।

....व्यवधान....

माननीय मुख्यमंत्री: बैठ जाओ दो मिनट बैठ जाओ अब मैंने डिस्टर्ब नहीं किया था। दिल्ली के अंदर जब आप अस्पताल में जाते हो, दवाई की खिड़की पर जाते हो खिड़कियों पर एक आदमी बैठा मिलता है रजिस्ट्रेशन करने के लिए, ओपीडी के लिए ओपीडी का कार्ड बनाने के लिए वो कांट्रेक्चुअल था, वो डेटा एंट्री ऑपरेटर था। एक दिन एक आर्डर पास करके इन्होंने दिल्ली के सारे सरकारी अस्पतालों के डेटा एंट्री ऑपरेटर हटा दिये। अब अस्पताल के अंदर रजिस्ट्रेशन करने वाला कोई नहीं बचा। अरे करना क्या चाहते हो, दिल्ली के लोगों को मारना

चाहते हो क्या? एक दिन 'फरिश्ते स्कीम' कि अगर दिल्ली की बाउंड्री के अंदर किसी का भी एक्सीडेंट होगा उसका फ्री में ईलाज किया जायेगा चाहे प्राईवेट में हो चाहे सरकारी अस्पताल में हो, 23 हजार लोगों का हम फ्री में ईलाज करा के उनकी जिंदगी बचा चुके हैं। इन्होंने 'फरिश्ते स्कीम' बंद करा दी इन लोगों ने, इतने घटिया किस्म के लोग हैं ये लोग। मेरा दिल रोता है जब मैं ये सारी चीजें, मैं जानता हूं किसी दिन लिखूंगा ये सब कि किस तरह से भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने कितने घटिया स्तर के उपर इन लोगों ने काम किया है। ये राजनीति होती है? ये राजनीति सत्ता के लिये तुम किसी भी हद तक चले जाओगे, कुछ भी करोगे सत्ता के लिये। अरे मेरे से दुश्मनी है, मेरे को गालियां दे लो यार दिल्ली के लोगों का ईलाज तो मत रोको कम से कम। आप लोगों को लगेगा केजरीवाल झूठ बोल रहा है। भई सरकार तो हमारी है फिर ये कैसे रोक सकते हैं? ऐसा मन में आयेगा न कि भई सरकार तो हमारी है, सरकार तो केजरीवाल की है फिर ये कैसे रोक सकते हैं? मैं बताता हूं कैसे रोक सकते हैं। सर्विसिज़ इनके पास हैं, सर्विसिज़ का मतलब ट्रांसफर पोस्टिंग, किस अफ़सर को कहां लगाना है, कहां से हटाना है, किस अफसर के खिलाफ कार्रवाई करनी है, अगर कोई अफसर करप्शन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई, डिस्प्लिनरी प्रोसिडिंग, विजिलेंस, जेल भेजना, ये सारा इनके पास है। पूरा अफसरशाही के उपर और स्टाफ के उपर और कर्मचारियों के उपर इनका कंट्रोल है। आज मेरे को जो मेरा चपरासी मेरे कमरे में चाय पिलाने आता है अगर कल वो कह दे मैं चाय नहीं पिलाता, मैं उसकी ट्रांसफर नहीं कर

सकता मुख्यमंत्री होके भी। इतनी भी पावर नहीं है मेरे पास। सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर पास किया भई ऐसे सरकार नहीं चल सकती, इनके उपर कंट्रोल मुख्यमंत्री का होगा। इन्होंने कानून ला के पास कर दिया कि नहीं कि मुख्यमंत्री का नहीं होगा, एलजी का कंट्रोल होगा, केंद्र सरकार का कंट्रोल होगा। अब ये क्या कर रहे हैं? एक एक, एक एक आईएएस अफसर को बुला के धमकी दी जा रही है। धमकी क्या दी जा रही है कि अगर तुमने इस सरकार का एक भी काम किया किसी भी मंत्री का एक भी काम किया तुमको जेल भेज देंगे, तुमको सस्पेंड कर देंगे, तुम्हारे उपर झूठा केस बना देंगे। जैसे इतने सारे झूठे केस अभी इन्होंने बताये। तुम्हारे उपर झूठा केस बना देंगे, सस्पेंड कर देंगे, ईडी लगा देंगे, सीबीआई लगा देंगे, खबरदार अगर तुमने इनका साथ दिया तो। रो रहे हैं आईएएस अफसर, रो रहे हैं दिल्ली सरकार के कर्मचारी, एक मेरे पास अफसर आया टप टप आंसू बह रहे थे 56 साल की उम्र है उसकी और टप टप, टप टप आंसू बह रहे थे उस आईएएस अफसर के और वो बेचारा वो कहता है जी मैंने कभी ऐसी नौकरी नहीं देखी, इस तरह का माहौल मैंने कभी नहीं देखा कि खुलेआम हमें धमकाया जा रहा है। दिल्ली के अंदर, पूरी दिल्ली के अंदर पानी का संकट इन्होंने और सीवर का संकट पैदा कर रखा है। कैसे? आप लोगों ने इस पूरी विधान सभा ने बैठ के बजट पास किया पिछले साल। आपने कहा भई 5 हजार करोड़ रुपये बजट होगा दिल्ली जलबोर्ड का। वो सारा पैसा लेके बैठ गये ये लोग, फाईनांस डिपार्टमेंट पैसा नहीं दे रहा जलबोर्ड का, 6 महीने से पैसा नहीं मिला जलबोर्ड को, जलबोर्ड चलेगा कैसे,

छोटे मोटे रिपेयर का पैसा भी नहीं मिला जलबोर्ड के पास रिपेयर का पैसा भी नहीं बचा छोटा मोटा। धमकी दी जा रही है कि फाईनांस डिपार्टमेंट के प्रिंसीपल सेक्रेटरी को धमकी दी जा रही है खबरदार तूने अगर पैसा दिया। दिल्ली को ये बर्बाद करना चाहते हैं, चारों तरफ सीवर बहने लग गया, पानी का संकट हो रहा है। अल्टीमेटली सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने मिलके हाईकोर्ट में केस करा, हाईकोर्ट ने ऑर्डर कर दिया पैसा तुरंत रिलीज करो। अगली हियरिंग 29 फरवरी को है अभी तक नहीं करा इन्होंने, न ये सुप्रीम कोर्ट की मानते हैं, न ये हाईकोर्ट की मानते हैं। अब एक और संकट पैदा कर दिया इन्होंने, पानी के बिलों का बहुत बुरा हाल हो रहा है दिल्ली के अंदर। अनाप-शनाप बिल आ रहे हैं, गलत बिल हैं, सारे के सारे गलत बिल हैं। हमने प्रस्ताव रखा आप ही बताना अगर गलत है तो। हमने कहा भई अगर किसी का पानी का बिल गलत है आपके पिछले सालों के अंदर तीन साल, चार साल, पांच साल जब से आपने पैसे नहीं भरे, आपके दो या दो से ज्यादा अगर कोई भी ओके बिल है उसको हम ले लेंगे, उसका एवरेज निकालेंगे और एवरेज के हिसाब से बाकी सारी कर देंगे। ठीक है कि नहीं है? गलत है कि ठीक है?.. हमने ये बनाया प्रस्ताव, प्रस्ताव बना के अफसरों को भेजा इसको लागू करो, अफसरों ने फाईल पे लिख दिया कि हम नहीं लागू करते। फिर बुला के पूछा उनसे अफसरों से, रोने लग गये बेचारे। बोले जी ये कह रहे हैं तुम्हारी नौकरी चली जायेगी, तुमको जेल में डाल देंगे अगर तुमने ये प्रस्ताव पारित

किया तो। लेकिन प्रस्ताव तो पारित कराके छोड़ेगा केजरीवाल। देखते हैं कि बाजू ए कातिल में, क्या है वो?

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बाजू ए कातिल में कितना दम है।

माननीय मुख्यमंत्रीः ''जोर कितना बाजू ए कातिल में है''। इन्होंने बिजली की सबसिडी बंद करने की कोशिश की थी मेरे को याद है पिछले साल से खूब नौटंकी मचा रखी है इन्होंने कभी बिजली कंपनियों के डायरेक्टर हटा दिये, कभी ये हटा दिया, वो हटा दिया, कि बिजली की सबसिडी बंद करो, इनको पता है कि बिजली की सबसिडी से सबसे ज्यादा जनता प्रभावित है। होने नहीं दी मैंने इन लोगों की गंदी चाल। हम बहुत छोटे लोग हैं और हम यहां पे देखो तो पता नहीं मुश्किल से दो चार ही होंगे जोकि पॉलिटिकल बैकग्राउंड से हैं बाकी तो सारे ही एक तरह से गलियों में घूमा करते थे हम सारे। हमारी क्या औकात थी? क्या औकात थी हम लोगों की? लेकिन कुछ तो उपर वाला चाह रहा है। कुछ तो हम से करवाना चाह रहा है। मतलब एक सुंदर नगरी की झुग्गियों के अंदर मैं यूं ही घूमा करता था। कोई नहीं पूछता था, परिवर्तन नाम की एनजीओ चलाया करता था आप लोग भी अपनी अपनी जिंदगी चला रहे थे अचानक वहां से उठा के लोगों का पता नहीं क्या प्यार था, क्या किस्मत थी, उपर वाला हमसे क्या कराना चाह रहा है यहां पहुंचा दिया हम लोगों को। और अब इतने बड़े बड़े षडयंत्र हमारे खिलाफ चल रहे हैं, इतने बड़े बड़े षडयंत्र और हम भी

डटे हुए हैं। कुछ कर नहीं पा रहे ये लोग। क्यूं? करोड़ों लोगों की दुआएं हमारे साथ हैं। अट्ठारह लाख बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, उन बच्चों के मां बाप से पूछ के देखो इतनी दुआएं देते हैं हम लोगों को, उनके बच्चों का भविष्य बना दिया हम लोगों ने। उसमें बीजेपी वालों के भी हैं,... हमने कभी राजनीति नहीं की, हमने ये नहीं कहा कि आम आदमी पार्टी वालों के बच्चों को एडमिशन देंगे, बीजेपी वालों, सारे आओ। सारे हमारे बच्चे हैं चाहे बीजेपी वालों के, चाहे कांग्रेस वालों के, बच्चे पढ़ जाएं। उन बच्चों के मां बाप का आशीर्वाद हमारे साथ है। लाखों करोड़ों लोगों का मुफ्त में ईलाज हुआ, अस्पतालों के अंदर, मोहल्ला क्लिनिक के अंदर, उनकी दुआएं हमारे साथ हैं। और जिन जिनको तकलीफ हुई दवाईयां और ये रोकने की, उनकी बद्दुआएं इन लोगों के साथ हैं। उनकी बद्दुआएं इन लोगों के साथ हैं, बद्दुआएं छोड़ेंगी नहीं आप लोगों का पीछा देख लेना। 'फरिश्ते' के अंदर जो इतने सारे लोगों का ईलाज कराया उनकी दुआएं हमारे साथ हैं, उनका आशीर्वाद हमारे साथ है, इस आशीर्वाद को कैसे रोक पाओगे तुम लोग, केजरीवाल को तो गिरफ्तार करोगे लोगों की दुआओं को कैसे गिरफ्तार करोगे। अब ये ऑपरेशन लोटस करने आये हैं, कितने ऑपरेशन लोटस कर लिये, अब तो थकते भी नहीं हो तुम, दाद तो देनी पड़ेगी तुम लोगों को। हमें क्यूं नहीं तोड़ पा रहे ये लोग, हमें क्यूं नहीं खरीद पा रहे, क्यूंकि हमने कोई गलत काम नहीं किया। दूसरे स्टेट्स के अंदर, दूसरे नेताओं जो जो आपने इतने सारे नाम लिये फलानां ये, फलानां वो उन लोगों ने गलत काम किये थे। वो गलत काम किये थे इसलिये

उनको बीजेपी का संरक्षण चाहिये था, इसीलिये वो अपनी पार्टी छोड़ के इनके साथ चले गये। तो एक फार्मूला जान लो। अगर कोई व्यक्ति बीजेपी के दबाव में आके बीजेपी में चला जाये, वो चोर है। और अगर कोई व्यक्ति बीजेपी के दबाव के बावजूद बीजेपी में न जाये तो ईडी और सीबीआई वाले चाहे उसको जितने मर्जी जेल में डालेवो कट्टर ईमानदार है। मनीष सिसोदिया पे इन्होंने कितना दबाव डाला, खुलेआम मनीष सिसोदिया को बोले केजरीवाल की पार्टी छोड़ दे, केजरीवाल की सरकार गिराके तेरे को मुख्यमंत्री बना देंगे। पर मनीष सिसोदिया हेमंत विश्वशर्मा तो नहीं है, उसने कोई चोरी तो नहीं कर रखी। वो बोला मेरे को मुख्यमंत्री भी नहीं बनना और मैंने कोई गलत काम नहीं किया, तुम साल, दो साल, तीन साल रख लोगे अल्टीमेटली तो मैंने बाहर आना ही आना है। मैंने कोई गलत काम नहीं किया, मैं क्यूं टूटूंगा। आप सब लोगों को, इतने सारे लोगों को इन्होंने अप्रोच किया, मैं सलाम करता हूं आप लोगों को कि क्या गजब के लोग हो आप लोग, टूटे नहीं आप लोग। टूटे नहीं आप, आप ही मेरे ताकत हो, दिल्ली के दो करोड़ लोग और दिल्ली के जो आप 61 विधायक हो, आप सब लोग मेरी ताकत हो जिसकी वजह से आज मैं इन लोगों का मुकाबला कर पा रहा हूं। अगर आप में से कई लोग टूट जाते, मेरी भी सरकार गिर जाती। पर आप लोग नहीं टूटे, आप लोग मेरी ताकत हो। सबको कहते हैं बीजेपी ज्वाईन कर लो, बीजेपी ज्वाईन कर लो और इन्होंने हमें बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, अभी इतनी बड़ी लिस्ट बताई इन्होंने कि डीटीसी में भी स्कैम हो गया, क्लास रूम में भी स्कैम हो गया, पानी में भी

स्कैम हो गया, बिजली में भी स्कैम हो गया, राशन में भी स्कैम हो गया, किसी बटन कोई बटन था बटन में भी स्कैम हो गया, फलानें में भी स्कैम हो गया। मैं एक चीज जानना चाहता हूं जितने पूरे देश में आज तक एमएलए खरीदे हैं तुम लोगों ने, कितना पैसा खर्च किया उसमें और वो पैसा कहां से आया यही बता दो तुमलोग? ईमानदारी से इस देश को बता दो कि कर्नाटक में एमएलए खरीदे, मध्य प्रदेश में एमएलए खरीदे, गोवा में एमएलए खरीदे, इधर एमएलए खरीदे, उधर.. इतना पैसा कहां से लाते हो यार तुम लोग! ये तो खुले आम है। जब इन लोगों को 25-25 करोड़ दे रहे थे पता नहीं ये मार्किट रेट भी है, मार्किट रेट क्या चल रहा है मेरे को तो पता नहीं। मध्य प्रदेश में क्या रेट चल रहा है, कर्नाटक में क्या रेट चल रहा है। तो ये पैसा कहां से आता है, ये पैसा कहां से आ रहा है? तुम हमारे बटन में स्कैम ढूंढ रहे हो, 12 रूपये का बटन है बटन में तुम स्कैम ढूंढ रहे हो, अरे तुम्हारे करोड़ों रूपये एक एक एमएलए पर 50-50 करोड़ रूपये खर्च कर दिये ये पैसा कहां से आ रहा है, ये तो बता दो इस देश के लोगों को? इन्होंने पहले मेरे उपर कई दो तीन साल ऐसे थे जिसमें इन्होंने मेरे उपर जहां जाता था इंक फेंकते थे, खूब मैंने जिल्लत बर्दाश्त करी है, इनसल्ट बर्दाश्त करी है। फिर दो तीन साल इन्होंने कभी कोई अटैक, कभी थप्पड़ मारते थे, कभी मिर्च डाली, एक बार इन्होंने मेरे दफ्तर के अंदर घुस के इन्होंने जूते मारे मेरे को। अब कह रहे हैं गिरफ्तार करेंगे। इनको जैसा मैं कह रहा था आपको क्या लगता है गिरफ्तार करने से सरकार गिर जायेगी, ये सारे टूट जायेंगे, ऐसे ही टूट

जायेंगे? कर लो गिरफ्तार, वो भी करके देख लो। अभी तक तो सब कुछ करके देख लिया, काम रोक के देख लिये, शुंगलू कमीशन बिठा लिया, कानून बदल लिये, सारा कुछ करके देख लिया, एक तुम्हारा यही सपना बचा है केजरीवाल को गिरफ्तार करके, ये भी पूरा करके देख लो। अभी तक तुमने इतनी रेड़ मारी, इतनी रेड़ मारी, एक भी नेता के खिलाफ इसके उपर मुकद्मा चलना चाहिये बीजेपी वालों के उपर, ऐसे ही रेड़ मारने घुस जाते हो किसी के घर भी, कोई कानून, नियम है, कायदा है या नहीं है, संविधान है या नहीं है? मनीष सिसोदिया के यहां इतनी रेड़ मारी आप लोगों में से कितने एमएलएज़ के यहां रेड़ मारी, सत्येन्द्र जैन के यहां रेड़ मारी, संजय सिंह के यहां रेड़ मारी, कहीं कुछ एक नया चवन्नी मिली? एक पैसा नहीं मिला। अरे हमारी संपति लोगों के दिलों के अंदर है, बैंक अकाउंट के अंदर नहीं और हमारा बैंक अकाउंट लोगों की आत्मा के अंदर है। यहां नहीं है हमारी संपति जहां ढूंढ रहे हो तुम लोग। अध्यक्ष महोदय, 2014-15 में दो घटनायें घटी उस फाईनेंशियल इयर में। 2014 के मई में केंद्र के अंदर एक पार्टी की सरकार बनी जिसको लोगों ने केंद्र में भारी बहुमत दिया, अभूतपूर्व बहुमत दिया। और 2015 की फरवरी के अंदर दिल्ली में एक पार्टी की सरकार बनी जिसे लोगों ने भारी बहुमत दिया, अभूतपूर्व बहुमत दिया। और वहां से दो किस्म की राजनीति ने जन्म लिया। एक केंद्र के अंदर जो सरकार बनी थी और दिल्ली के अंदर जो सरकार बनी थी। आज 10 साल हो गये दोनों सरकारों को बने हुए। एक केंद्र की सरकार है जिसने 10 साल में कोई काम नहीं किया, और अब वो केवल कैसे

वोट लेना चाहते हैं कांग्रेस के नेताओं को गिरफ्तार कर लो, कांग्रेस का अकाउंट फ्रीज कर दो, आम आदमी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार कर लो, ईडी को सबके पीछे लगा दो, सारी अपोजिशन को कुचल डालो, सारे नेताओं को जेल में डाल दो इस तरह से ये वोट लेना चाहते हैं। और दूसरी राजनीति, दिल्ली की राजनीति थी जिसके अंदर हमने स्कूल बनवाये, अस्पताल बनवाये, लोगों का ईलाज किया, लोगों के बच्चों को पढ़ाया, पानी का इंतजाम किया, बिजली का, हमने दो करोड़ लागों का दिल जीता, इसलिये हम वोट मांग रहे हैं। दो किस्म की राजनीति, अब देश के लोगों को तय करना है एक पाप की राजनीति है, एक पुण्य की राजनीति है। इस देश को पाप की राजनीति चाहिये, या इस देश को पुण्य की राजनीति चाहिये ये लोगों को तय करना है। अब आजकल बड़ी अफवाह फैला रखी है इन्होंने। बस ये लोकसभा चुनाव हो जायें उसके बाद तो संविधान बदल के दिल्ली को फुल यूनियन टेरिटरी बना देंगे। फैला रखी है, नहीं रखी है?.. विधान सभा खत्म कर देंगे। अरे किसी के बाप की जागीर है जो विधान सभा खत्म कर दोगे। ऐसे ही विधान सभा खत्म कर दोगे। ये देश किसी के पिता जी की जागीर थोड़े ही है कि ऐसे ही विधान सभा खत्म कर दोगे। मैं आज बीजेपी से जानना चाहता हूं ये चुनाव इसी बात पे हो जाये दिल्ली के लोगों से जाकर वोट मांगो बोलो तुम्हारा वोट का अधिकार छीन लेंगे, वोट दो हमको। मजाल जो तुमको, आज बीजेपी स्पष्ट कर दे कि लोकसभा के बाद दिल्ली की विधान सभा को भंग करेंगे कि नहीं करेंगे, इसी के उपर चुनाव हो जायें इस बार। आप भी जा जा के गली

गली में बोलना और गली गली में लोगों को बताना कि अगर तुमने बीजेपी को वोट दे दिया तो तुम्हारा बीजेपी वोट का अधिकार छीनने वाली है, बीजेपी खुल के अंदर बोल रही है और बीजेपी को हम ललकारेंगे अगर हिम्मत है तो करके दिखाओ। और एक और आप सब से विनती है कि विधान सभा भंग करें या न करें हम यहां सत्ता के लिये नहीं आये, हम यहां सेवा के लिये आये हैं। काम करते रहना। हम एमएलए रहें या न रहें, मंत्री रहें न रहें, मुख्यमंत्री रहें न रहें, विधान सभा रहे न रहे, पूरी जिंदगी देश के लिये न्योछावर की है सत्ता के लिये नहीं हमने सेवा के लिये न्योछावर की है। मैं दिल्ली वालों को भी बोलना चाहता हूं। इन लोगों को आपके बेटे से तकलीफ है। आपने मेरे को बहुत कुछ दिया है दिल्ली वालों ने। सुंदर नगरी की गलियों से उठा के एक आदमी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दिल्ली वालों ने दे दी। इन लोगों को आपके बेटे से तकलीफ है, ये आपके बेटे को क्रश करना चाहते हैं, ये आपके बेटे को खत्म करना चाहते हैं। लेकिन आप चिंता मत करना मैं आपके साथ हूं, आपके लिये लड़ता रहूंगा, मरते दम तक मेरी ये विधान सभा भंग भी कर दें अगर, ये जितने मर्जी षडयंत्र करते रहें सत्ता में होते हुए या सत्ता में बाहर रह के, मेरी जिंदगी आप लोगों के लिये है सात जन्म में भी मैं आपका अहसान नहीं चुका सकता जो अहसान दिल्ली वालों ने किया है। बीजेपी वाले राजनीति में सत्ता के लिये आये हैं, उनके लिये ये सत्ता की लड़ाई है, हमारे लिये ये सेवा की लड़ाई है। ये खूब षडयंत्र रचेंगे, ये बार बार सत्ता को इस्तेमाल करके हमें कुचलने की कोशिश करेंगे। हम लोगों के आशीर्वाद

से बार बार उठ के खड़े हो जायेंगे, फिर उठ के खड़े हो जायेंगे। जितनी बार ये कुचलने की कोशिश करेंगे हम फिर उठ के खड़े हो जायेंगे। तुम्हारी मक्कारी के चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिये हमारे पास एक नहीं सौ सौ अभिमन्यु इस पार्टी के अंदर हैं, आप जितने चक्रव्यूह रचोगे उससे ज्यादा भेद के हम बाहर निकल आयेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो प्रपोजल मैंने कल रखा था उसका मैं पूरी तरह से समर्थन करता हूं और मैंने पूरे अच्छे तरीके से बताया कि इसको लाने की क्या जरूरत पड़ी, मैं थोड़े से नंबर बता देता हूं कि एक भी आदमी हमारा नहीं टूटा, हमारे टोटल 62 एमएलए हैं। अभी यहां पे विधान सभा में 54 मौजूद हैं, दो बीमार हैं, तीन आउट आफ स्टेशन हैं, दो जेल में हैं सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया और एक के यहां शादी है 54 यहां मौजूद हैं। एक भी नहीं टूटा इनमें से।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी द्वारा प्रस्तुत विश्वास प्रस्ताव सदन के सामने है।

जो इसके पक्ष में हैं वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं वे न कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता,

प्रस्ताव पास हुआ।

अब सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 19 फरवरी, 2024 को..

....व्यवधान....

श्री सौरभ भारद्वाज (माननीय स्वास्थ्य मंत्री): अध्यक्ष जी, एक मेरा छोटा सानिवेदन है। अध्यक्ष जी, एक छोटा सा निवेदन है मेरा अगर सदन सहमत हो क्योंकि आचार संहिता आने वाली है लोकसभा चुनाव की वजह से तो विधायकों को अपने कार्यक्षेत्र में भी काम करना होता है और budget session थोड़ा सा लंबा चलेगा तो अगर आप इसको सुबह ग्यारह बजे से डेढ़ बजे तक कर दें रोज़ तो हमारे लिये थोड़ी सुविधा हो जायेगी।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: सौरभ जी, इसमें..

....व्यवधान....

श्री सौरभ भारद्वाज (माननीय स्वास्थ्य मंत्री): अध्यक्ष जी, ग्यारह से दो कर दीजिये...

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: नहीं-नहीं।

....व्यवधान....

श्री सौरभ भारद्वाज (माननीय स्वास्थ्य मंत्री): शाम को आपकी एक्टिविटी होंगी। शाम को कुछ एक्टिविटी हैं, वो प्लान करनी हैं।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः सौरभ जी माननीय सदस्यों से यह बातचीत की थी, माननीय सदस्यों का यह विचार है कि सुबह आफिस में जाना होता है। दोपहर दो से पांच कर लें।

श्री सौरभ भारद्वाज, माननीय मंत्रीः अध्यक्ष जी, नहीं।

माननीय अध्यक्षः दो से पांच। अगर सहमत हैं ये पब्लिक को अटेंड करने के लिये आफिस में जाना होता है सुबह।

....व्यवधान....

श्री सौरभ भारद्वाज (माननीय स्वास्थ्य मंत्री): जो आपको ठीक लगे...

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः नहीं अब अनाउंस करना पड़ेगा।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः दो से पांच।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः दो से पांच? सौरभ जी दो से पांच कर दें?

....व्यवधान....

श्री सौरभ भारद्वाज (माननीय स्वास्थ्य मंत्री): सुबह-सुबह क्या हैं न, सुबह 11.00 से..

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: दो से पांच में...

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: ठीक है। चलिये अब सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 19 फरवरी, 2024 को दोपहर बाद दो बजे तक के लिये स्थगित की जाती है। सोमवार से दो बजे सेशन आरंभ होगा। बहुत बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही दिनांक 19 फरवरी, 2024 को दोपहर 2.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।